आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11। अंक 140। मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

दैनिक

आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

इंदौर,
रविवार,
25 मई,
2025

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल बैठक की अध्यक्षता की

PM बोले- हमें टीम इंडिया की तरह काम करना होगा

एजेंसी ● नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं। पीएम ने कहा- हमें टीम इंडिया की तरह काम करना होगा। विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा, तो भारत विकसित होगा।

इस बैठक में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल, केंद्रीय मंत्री और नीति आयोग के उपाध्यक्ष, सदस्य और CEO शामिल हुए।

नीति आयोग के स्टेटमेंट के मुताबिक, इस साल बैठक की थीम 'विकसित भारत के लिए विकसित राज्य' है। बैठक में भारत को 2047 तक विकसित बनाने के लिए राज्यों की भूमिका पर जोर दिया जाएगा। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय को लेकर भी चर्चा होगी।

केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को देश के सामने मौजूद विकास से जुड़ी चुनौतियों के बारे में बताया। इसके अलावा भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए राज्य किस तरह आधारशिला बन सकते हैं, यह भी बताया गया। बैठक में उद्यमिता, कौशल और देश भर में स्थायी रोजगार के अवसर बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा की गई।

बैठक में PM ने क्या-क्या कहा...

■ ग्लोबल स्टैंडर्ड के अनुसार हर मुख्यमंत्री को अपने राज्य में कम से कम एक टूरिस्ट प्लेस विकसित करना चाहिए।

■ भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है। हमें भविष्य के लिए तैयार शहरों की दिशा में काम करना चाहिए।

■ डेवलेपमेंट, मॉर्डनाइजेशन और स्थिरता हमारे शहरों के विकास का इंजन होना चाहिए।

■ हमें विकास की गति बढ़ानी होगी। अगर केंद्र और सभी राज्य एक साथ मिलकर टीम इंडिया की तरह काम करें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

36 में से 31 राज्य बैठक में हुए शामिल

दिल्ली में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक के बाद नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि, 'हमारे 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 31 ने इस बैठक में हिस्सा लिया। नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की यह अब तक की सबसे अधिक भागीदारी है...यह वास्तव में दर्शाता है कि लोग बहुत सकारात्मक सोच के साथ आए थे। पांच राज्य जो अनुपस्थित थे- कर्नाटक, केरल, पुडुचेरी, पश्चिम बंगाल और बिहार- हमें पहले से ही सूचित कर दिया गया था। हमें पहले से ही पता था कि वे नहीं आ रहे हैं'।

सभी ने ऑपरेशन सिंदूर का किया समर्थन- सुब्रह्मण्यम

नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते हुए सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि बैठक में मौजूद सभी लोगों ने सर्वसम्मति से पाकिस्तान में आतंकी ढांचे को नष्ट करने के लिए भारत की तरफ से शुरु किए गए ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यों से कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केंद्रित करने का भी आग्रह किया।

'ढाई-तीन साल में हम दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था होंगे'

बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने इस दौरान कहा कि, 'भारत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है... मुझे लगता है कि देश एक ऐसे मुकाम पर है, जहां यह बहुत तेजी से विकास कर सकता है... प्रधानमंत्री ने सभी राज्यों से अपने स्तर पर विजन दस्तावेज तैयार करने का आह्वान किया है और यह भारत के विकास में पहले से ही दिखाई दे रहा है। मैं जब बोल रहा हूं, तब हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। हम चार ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हैं। आज भारत जापान से भी बड़ा है। अगर हम अपनी योजना और सोच-विचार पर टिके रहें, तो यह अगले 2.5-3 साल की बात है, हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे... अच्छी बात यह है कि लगभग 17 राज्यों ने अपने विजन तैयार कर लिए हैं और जारी कर दिए हैं या जारी करने वाले हैं। उनमें से पांच ने विजन जारी कर दिए हैं- यूपी, पंजाब, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात और अन्य अगस्त तक विजन जारी कर देंगे'।

'भविष्य के लिए तैयार शहरों की दिशा में करें काम'

प्रधानमंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि राज्यों को वैश्विक मानकों के अनुरुप प्रत्येक राज्य में कम से कम एक पर्यटन स्थल विकसित करना चाहिए और सभी सुविधाएं और बुनियादी ढांचा प्रदान करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'एक राज्य: एक वैश्विक गंतव्य। इससे पड़ोसी शहरों का पर्यटन स्थल के रुप में विकास भी होगा।' भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है, इस पर ध्यान देते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'हमें भविष्य के लिए तैयार शहरों की दिशा में काम करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि विकास, नवाचार और स्थिरता भारत के शहरों के विकास का इंजन होना चाहिए। पीएम मोदी ने कार्यबल में महिलाओं को शामिल करने की दिशा में काम करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, 'हमें ऐसे कानून और नीतियां बनानी चाहिए, जिससे उन्हें कार्यबल में सम्मानपूर्वक एकीकृत किया जा सके।'

नीति आयोग की बैठक में शामिल थे दो एजेंडे

उन्होंने आगे बताया कि, 'बैठक के एजेंडे में कार्रवाई रिपोर्ट के अलावा दो आइटम शामिल थे। सबसे पहले, बैठक का विषय और एजेंडे में पहला आइटम 'विकसित भारत के लिए विकसित राज्य' था। पूरा विचार यह है कि पिछली गवर्निंग काउंसिल में, प्रधानमंत्री ने सभी राज्यों से अपने-अपने राज्य के विजन तैयार करने का आह्वान किया था, ताकि उनके पास ऐसे विजन हों जो बाद में एक बड़े समूह में समाहित हो जाएं। राष्ट्र के लिए विजन। इसलिए मुझे लगता है कि पिछले एक साल से एजेंडा इसी पर आधारित है और यही कारण है कि आज की गवर्निंग काउंसिल की बैठक का मुख्य विषय यही रहा'।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बड़ी बैठक

बता दें कि, नीति आयोग की सर्वोच्च संस्था परिषद में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी नीति आयोग के अध्यक्ष हैं। इस बैठक में पीएम मोदी ने कहा, 'हमारा लक्ष्य प्रत्येक राज्य को विकसित, प्रत्येक शहर को विकसित, प्रत्येक नगर पालिका को विकसित और प्रत्येक गांव को विकसित बनाना होना चाहिए। अगर हम इन तर्ज पर काम करेंगे, तो हमें विकसित भारत बनने के लिए 2047 तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा।' ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह प्रधानमंत्री की सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपालों के साथ पहली बड़ी बैठक है।

तिरुपति मंदिर के कल्याण मंडपम में पढ़ी नमाज

दावा- शख्स 10 मिनट तक परिसर में मौजूद रहा; पुलिस कर रही तलाश

एजेंसी ● तिरुपति

आंध्र प्रदेश के तिरुमाला स्थित तिरुपति बालाजी मंदिर में व्यक्ति के नमाज पढ़ने की घटना सामने आई। सोशल मीडिया पर उस व्यक्ति का एक वीडियो वायरल हो रहा है। घटना 22 मई की बताई जा रही है। यही शख्स मंदिर के बाहर खड़ी एक कार में भी नजर आ रहा है।

दावा किया जा रहा है कि नमाज पढ़ने का यह वीडियो मंदिर परिसर में बने कल्याण मंडपम का है। हालांकि, टीटीडी ने इस मामले पर अभी तक कोई बयान नहीं दिया है।

नमाज पढ़ते हुए शख्स को न तो मंदिर प्रशासन के लोगों ने रोका, न किसी और ने इस पर आपत्ति ली।इससे मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं।

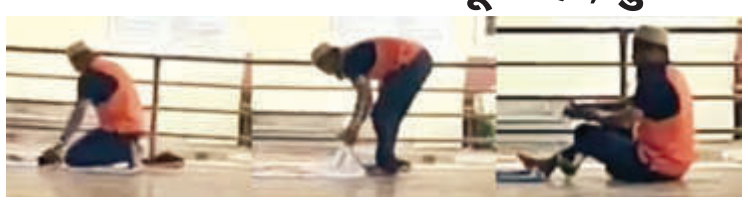

यह मुस्लिम व्यक्ति का गुरुवार दोपहर तमिलनाडु के रजिस्ट्रेशन नंबर वाली टीएन 83 टी 6705 वाली कार में आया था। मामला सामने आते ही तिरुपति एसपी हर्षवर्धन राजू मौके पर पहुंचे।। जहां उन्हें पता चला कि श्रद्धालुओं के एक ग्रुप के साथ तिरुमाला आए ड्राइवर ने नमाज पढ़ी थी। ड्राइवर की हरकतें सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गईं।

तिरुमाला पुलिस अब इस शख्स की तलाश कर रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि वह व्यक्ति पहले ही तिरुमाला छोड़ चुका है। उसने ऐसा क्यों किया। तिरुमाला में कड़े नियमों के बावजूद उन्होंने प्रार्थना क्यों की? वह व्यक्ति कौन है? उसने यह काम जानबूझकर किया या नियमों की जानकारी के बिना। पुलिस इसकी जांच कर रही है।

मंदिर में गैर हिंदुओं के प्रवेश को लेकर बना नियमः दअरसल, हिंदुओं के अलावा बाकी धर्मों के लोग जो भगवान बालाजी के दर्शन करना चाहते हैं, उनके लिए तिरुपति मंदिर में घोषणापत्र पर साइन करने की एक प्रथा है। एपी राजस्व बंदोबस्ती-1 के तहत गैर हिंदुओं को दर्शन से पहले वैकुंठम परिसर में यह घोषणा करनी होती है।

गैर-हिंदू श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश से पहले एक घोषणापत्र साइन करना जरूरी होता है, जिसमें वे भगवान वेंकटेश्वर में अपनी आस्था और मंदिर की परंपराओं का सम्मान करने का संकल्प लेते हैं। यह घोषणापत्र आमतौर पर वैकुंठम क्यू कॉम्प्लेक्स के 17वें कमरे में जमा किया जाता है।

2020 में बदला था नियम, विवाद के बाद फिर लागू हुआ

सितंबर 2020 में, तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (TTD) के अध्यक्ष वाईवी सुब्बा रेड्डी ने घोषणा की थी कि गैर-हिंदू श्रद्धालुओं को अब मंदिर में प्रवेश के लिए अपनी आस्था की घोषणा करने की आवश्यकता नहीं होगी। हालांकि, यह निर्णय विवादास्पद रहा और समय-समय पर नियमों में परिवर्तन होते रहे हैं।

CJI-प्रोटोकॉल उल्लंघन केस में अफसरों पर कार्रवाई की याचिका खारिज

चीफ जस्टिस गवई ने कहा- यह सस्ती पब्लिसिटी याचिकाकर्ता पर 7000 जुर्माना लगाया

एजेंसी ● नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक वकील की जनहित याचिका (PIL) को खारिज कर दिया, जिसमें महाराष्ट्र के सीनियर अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता का आरोप था कि इन अधिकारियों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) बी आर गवई के पहले मुंबई दौरे के दौरान प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया।

मुख्य न्यायाधीश गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने इस याचिका को 'पब्लिसिटी इंटरेस्ट लिटिगेशन' बताया और 7 साल के अनुभव वाले याचिकाकर्ता वकील शैलेंद्र मणि त्रिपाठी पर 7,000 का जुर्माना लगाया, जो उन्हें लीगल सर्विसेज अथॉरिटी में जमा करना होगा।

सुनवाई के दौरान CJI ने कहा, 'ये बहुत छोटा मामला है, इसे इतना बड़ा नहीं बनाया जाना चाहिए। कोर्ट पहले ही प्रेस रिलीज के जरिए यह साफ कर चुका है कि इस मुद्दे को यहीं खत्म कर दिया जाना चाहिए।' उन्होंने याचिकाकर्ता से कहा, 'आप बस अखबार में अपना नाम छपवाना चाहते हैं। अगर आपने पद की गरिमा के बारे में सोचा होता, तो आपको पता होता कि मैंने इस मामले को यहीं समाप्त करने की अपील की थी। यह याचिका जुर्माने के साथ खारिज की जाएगी।' पीठ ने कहा कि CJI पहले ही सार्वजनिक रूप से इस मामले पर अपनी बात रख चुके हैं और यह कोई गंभीर मुद्दा नहीं था, इसलिए इसे बढ़ा-चढ़ाकर नहीं दिखाना चाहिए। CJI ने बताया, 'तीनों अधिकारी मेरे रवाना होने तक एयरपोर्ट पर मौजूद थे और उन्होंने सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी थी। इस मामले को खत्म करने के लिए एक प्रेस नोट भी जारी किया गया था। यह किसी व्यक्ति विशेष की बात नहीं है, बल्कि पद की गरिमा का मामला है।

अब हरियाणा के भाजपा सांसद का विवादित बयान

बोले- सुहाग खोने वाली महिलाओं में वीरांगनाओं जैसा जोश नहीं था

एजेंसी ● भिवानी

पहलगाम आतंकी हमले पर अब हरियाणा से BJP के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अपना सुहाग खोने वाली महिलाओं में वीरांगना का भाव व जोश नहीं था, इसलिए 26 लोग गोली का शिकार बने।

सांसद ने कहा कि पर्यटक हाथ जोड़कर मारे गए। अगर PM की योजना के तहत ट्रेनिंग लेते और सामना करते तो इतनी मौतें नहीं होतीं। वे शनिवार को भिवानी के पंचायत भवन में आयोजित अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान जिला संगोष्ठी कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे।

जांगड़ा ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं में वीरता की भावना पैदा करने के लिए एक बहुत बड़ी योजना (अग्निवीर) चलाई। पहलगाम हमले के बाद पूरा देश महसूस कर रहा है कि अगर मोदी देश के युवाओं को जो ट्रेनिंग देना चाहते हैं, वह ट्रेनिंग यात्रियों के पास होती तो 3 आतंकवादी 26 लोगों को नहीं मार पाते।

10 लाख का इनामी JJMP सुप्रीमो पुलिस मुठभेड़ में ढेर

लातेहार। लातेहार जिले के लिए आतंक का पर्याय बने जेजेएमपी के सुप्रीमो पप्पू लोहरा समेत दो नक्सलियों को पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया है। बताया जाता है कि लातेहार थाना क्षेत्र के ईचाबार जंगल में शनिवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में झारखंड जनसंघर्ष मुक्ति मोर्चा (JJMP) का सुप्रीमो पप्पू लोहरा और पांच लाख का इनामी नक्सली सबजोनल कमांडर प्रभात गंझू मारा गया है जबकि एक नक्सली घायल है।

तय समय से 8 दिन पहले केरल पहुंचा मानसून

यह 16 साल में सबसे जल्दी; 4 जून तक MP-UP पहुंचने की संभावना

एजेंसी ● नई दिल्ली

मानसून शनिवार को केरल पहुंच गया। यह अपने तय समय से 8 दिन पहले पहुंचा है। मौसम विभाग के मुताबिक 16 साल में ऐसा पहली बार हुआ जब मानसून इतनी जल्दी आया है। 2009 में मानसून 9 दिन पहले पहुंचा था। वहीं, पिछले साल 30 मई को दस्तक थी।

मानसून चार दिन से देश से करीब 40-50 किलोमीटर दूर अटका था और शुक्रवार शाम आगे बढ़ा। इसके आज ही तमिलनाडु और कर्नाटक के कई इलाकों में भी पहुंचने की संभावना है। एक हफ्ते में देश के दक्षिणी और पूर्वोत्तर राज्यों जबकि 4 जून तक मध्य और पूर्वी भारत को कवर कर सकता है।

आम तौर पर मानसून 1 जून को केरल पहुंचता है और 8 जुलाई तक पूरे देश को कवर कर लेता है। यह 17 सितंबर के आसपास वापस लौटना शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह से वापस चला जाता है।

मौसम विज्ञानियों के अनुसार, मानसून की शुरुआत की तारीख और सीजन के दौरान कुल बारिश के बीच कोई संबंध नहीं है। इसके जल्दी या देर से पहुंचने का मतलब यह नहीं है कि यह देश के अन्य हिस्सों को भी उसी तरह कवर करेगा।

1972 में सबसे देरी से केरल पहुंचा था मानसून IMD के आंकड़ों के मुताबिक, बीते 150 साल में मानसून के केरल पहुंचने की तारीखें काफी अलग रही हैं। 1918 में मानसून सबसे पहले 11 मई को केरल पहुंच गया था, जबकि 1972 में सबसे देरी से 18 जून को केरल पहुंचा था।

इस साल मानसून में अल नीनो की संभावना नहीं मौसम विभाग ने अप्रैल में कहा था कि 2025 के मानसून सीजन के दौरान अल नीनो की संभावना नहीं है। यानी इस साल सामान्य से ज्यादा बारिश होगी। कम बारिश की आशंका न के बराबर है। 2023 में अल नीनो सक्रिय था, जिसके कारण मानसून सीजन में सामान्य से 6 फीसदी कम बारिश हुई थी।

अल नीनो और ला नीना क्लाइमेट (जलवायु) के दो पैटर्न होते हैं-

अल नीनोः इसमें समुद्र का तापमान 3 से 4 डिग्री बढ़ जाता है। इसका प्रभाव 10 साल में दो बार होता है। इसके प्रभाव से ज्यादा बारिश वाले क्षेत्र में कम और कम बारिश वाले क्षेत्र में ज्यादा बारिश होती है।

ला नीनाः इसमें समुद्र का पानी तेजी से ठंडा होता है। इसका दुनियाभर के मौसम पर असर पड़ता है। आसमान में बादल छाते हैं और अच्छी बारिश होती है।

मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के नेतृत्व में निकली विशाल तिरंगा यात्रा

ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता पर तिरंगामय हुई नरेला विस

संवाददाता ● भोपाल

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग के नेतृत्व में नरेला विधानसभा में विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सेना के सम्मान में शनिवार को नरेला विधानसभा के 4 मंडलों में नागरिकों ने एकसाथ तिरंगा यात्रा निकाली। मुख्य तिरंगा यात्रा राजधानी के अशोका गार्डन दशहरा मैदान से प्रारंभ हुई, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, युवावर्ग और महिलाएं शामिल रहीं। इस अवसर पर मंत्री श्री विश्वास सारंग ने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि यह भारत की एकता, संकल्प और शक्ति का प्रतीक है। यह यात्रा हमारी सेना के वीर जवानों को समर्पित है, जिन्होंने देश के दुश्मनों को उनके ही घर में घुसकर नेस्तनाबूद कर दिया। यात्रा के दौरान भारत माता के जयकारों और 'वंदे मातरम्' के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। सड़कों पर हाथों में तिरंगा थामे चल रहे युवाओं के उत्साह ने सम्पूर्ण वातावरण को देशभक्ति से सराबोर कर दिया।

तिरंगा यात्रा

नरेला हुई तिरंगामय, गूंजे भारत माता के जयकारे

नरेला विधानसभा के सम्राट अशोक, नेताजी सुभाष, स्टेशन और महामाई मंडल में एक साथ तिरंगा यात्रा निकाली गई। इन तिरंगा यात्राओं में हजारों की संख्या में आम नागरिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और युवाओं ने भाग लिया। लोग मोहल्लों व कॉलोनियों में विभिन्न मार्गों से होते हुए मुख्य चौराहों पर पहुंचे। यहां बड़ी संख्या में युवा हाथों में तिरंगा थामे 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के नारों के साथ देशभक्ति में रंगे नजर आए।

ऑपरेशन सिंदूर नये भारत के सामर्थ्य का प्रतीक

यात्रा के दौरान मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आतंकवाद को उसकी ही जमीन पर करारा जवाब दिया है। ऑपरेशन सिंदूर नये भारत के सामर्थ्य का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुसकर आतंक के अड्डों को ध्वस्त किया है। यह ऑपरेशन सिद्ध करता है कि आज का भारत आतंक के खिलाफ निर्णायक कार्यवाही करने में सक्षम है।

तिरंगा यात्रा का पुष्पवर्षा से हुआ भव्य स्वागत

मंत्री श्री सारंग के नेतृत्व में मुख्य तिरंगा यात्रा अशोका गार्डन दशहरा मैदान से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए परिहार चौराहे पर पहुंची। यहां ढोल नगाड़ों के साथ हर ओर देशभक्ति के जयकारे गूंज रहे थे। यात्रा का नागरिकों ने भारी पुष्पवर्षा कर जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रविन्द्र यति, प्रबुद्धजनों सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

शॉट न्यूज

जिला अस्पताल की छत पर मिली लाखों की दवाइयां

इंदौर। इंदौर के जिला अस्पताल के दवा स्टोर की छत पर लाखों रुपए की अनुपयोगी और एक्सपायर्ड दवाइयां गंदगी में पड़ी मिली। इसका पता तब चला जब एडीएम राजेंद्र रघुवंशी अचानक वहां पहुंचे और निरीक्षण किया। इनमें से कई दवाइयां ऐसी भी हैं जिनकी एक्सपायरी डेट बाकी है। मामले में लापरवाही सामने आने पर अब जिम्मेदारी लीपापोती करने में जुटे हैं। दरअसल, शाम को एडीएम रघुवंशी ने अपनी टीम के साथ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के अधीन जिला अस्पताल में संचालित दवा स्टोर का निरीक्षण किया। इस दौरान छत पर कार्टन, काले और नीले पॉलीथिन में भरकर भारी मात्रा में दवाएं फेंकी हुई मिलीं। ये दवाएं जिले के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों पर भेजी जानी थी लेकिन खुले में पड़ी रहने से ये खराब हो रही थी।

चार चोरों से मिला 25 लाख का माल

इंदौर। इंदौर की राजेन्द्र नगर पुलिस ने 4 चोरों को पकड़ा है। चोरों के पास से करीब 25 लाख का माल बरामद हुआ है। आरोपियों ने 10 दिन के अंदर ही 4 घरों से यह माल चुराया था। पकड़ाए आरोपियों में से एक आरोपी बडनगर में लूट के एक मामले में तीन साल से फरार है। उस पर वहां की पुलिस ने इनाम भी घोषित किया हुआ है। डीसीपी विनोद मीणा की टीम ने चोरी के मामले में इशाक पुत्र शकूर खान, निवासी ग्राम कनारदी तराना उज्जैन, शैलेंद्र पुत्र बाबूलाल सोलंकी, निवासी लसूडिया, विकास उर्फ बंटी मीणा, निवासी सिविल लाईन कॉलोनी देवास और संजय उर्फ हाइड्रा मालवीय, निवासी अयोध्या बस्ती सोनकच्छ को पकड़ा है। पुलिस ने चारों आरोपियों के पास से करीब 200 ग्राम सोने के जेवर, 5 किलो चांदी के जेवर, मंहगी घड़ियां, एक बुलेट और चोरी के लिए उपयोग करने वाली कार बरामद की है।

फैसला : कंप्यूटर बाबा दोषमुक्त, पांच पहले ही बरी

इंदौर। चर्चित अतिक्रमण मामले में शुक्रवार को सेशन कोर्ट ने कंप्यूटर बाबा उर्फ नामदेव दास त्यागी के खिलाफ चल रहे प्रकरण में फैसला सुनाया। जिला सत्र न्यायालय के मजिस्ट्रेट देवेंद्र प्रसाद मिश्रा ने बाबा को मामले में दोषमुक्त करार दिया। इससे पहले इसी केस में शामिल पांच अन्य आरोपियों को पहले ही बरी किया जा चुका है। मामला नवंबर 2020 का है,जब इंदौर नगर निगम ने कथित तौर पर चरागाह की जमीन पर बने कंप्यूटर बाबा के आश्रम को अतिक्रमण मानते हुए ध्वस्त कर दिया था। साथ ही बाबा को प्रिवेंटिव डिटेंशन के तहत हिरासत में लेकर इंदौर सेंट्रल जेल भेजा गया था। कार्रवाई के दौरान आश्रम से एक राइफल,एयरगन, कृपाण,बेनामी संपत्ति के दस्तावेज और कुछ बैंक खातों की जानकारी जब्त की गई थी।बाबा सहित कुल 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

'ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते' के तहत दो मूकबधिर नाबालिग बालकों का किया गया रेस्क्यू

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल मंडल रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा मानवीय संवेदनाओं को सर्वोपरि रखते हुए एक अत्यंत सराहनीय कार्य 'ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते' के अंतर्गत संपन्न किया गया। इस अभियान के तहत भोपाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक-01 पर ड्यूटी पर तैनात सहायक उपनिरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने नियमित गश्त के दौरान मानवीय दृष्टिकोण से एक संवेदनशील कार्य को अंजाम दिया। प्लेटफॉर्म पर खड़ी ट्रेन संख्या 07076 गोरखपुर-हैदराबाद एक्सप्रेस के जनरल कोच की जांच के दौरान दो मूकबधिर नाबालिग बालक भयभीत एवं असहाय अवस्था में दरवाजे के पास बैठे पाए गए। स्थानीय यात्रियों से पूछताछ करने पर कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई। तत्पश्चात दोनों बच्चों को सुरक्षा एवं सांत्वना प्रदान करते हुए आरपीएफ पोस्ट, भोपाल लाया गया।

आरपीएफ पोस्ट में दोनों बच्चों ने इशारों के माध्यम से फोन करने की इच्छा जताई, जिस पर तत्परता दिखाते हुए उनके परिजनों से संपर्क स्थापित किया गया। बातचीत के दौरान यह जानकारी प्राप्त हुई कि दोनों बालक – प्रवीण कुमार, उम्र 14 वर्ष तथा सावन कुमार, उम्र 17 वर्ष – झारखंड राज्य के देवघर जिले के निवासी हैं और दिनांक 16.05.2025 से लापता थे। इस संदर्भ में स्थानीय थाना कुंडा एवं थाना जसडीह में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई थी।

परिजनों को सूचित किया गया कि उनके बच्चे भोपाल स्टेशन पर सुरक्षित पाए गए हैं और उन्हें समुचित देखभाल प्रदान की जा रही है। बालकों को चिकित्सकीय परीक्षण हेतु जयप्रकाश नारायण अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक जांच के उपरांत उन्हें बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति के अध्यक्ष श्री धनीराम सिंह पवार एवं अन्य सदस्यों द्वारा विचारोपरांत किशोर न्याय अधिनियम, 2015 की धारा 27 के अंतर्गत दोनों बालकों को अस्थाई संरक्षा हेतु एसओएस बालग्राम (स्पेशल) संस्था को सौंपा गया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि यह कार्य न केवल रेलवे सुरक्षा बल की सतर्कता एवं तत्परता का प्रतीक है, बल्कि भारतीय रेलवे द्वारा यात्रियों तथा समाज के विशेष रूप से सक्षम वर्ग के प्रति निभाई जा रही सामाजिक जिम्मेदारी का भी उदाहरण है। भोपाल मंडल द्वारा भविष्य में भी 'ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते' जैसे मानवीय प्रयासों को निरंतर जारी रखा जाएगा।

एमसीयू में एडवर्टर 360 की अभिनव प्रदर्शनी

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा एडवर्टर 360 नामक एक अनूठी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसने विभाग को रचनात्मकता, नवाचार और संचार की जीवंत प्रयोगशाला में बदल दिया। इस प्रदर्शनी में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों ने अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए देश के चुनिंदा ब्रांड्स 360 डिग्री विज्ञापन अभियानों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश माध्यम में महाप्रबंधक एवं प्रभारी प्रशासन रहे हेमंत वायंगणकर को विभागाध्यक्ष डॉ. पवित्र श्रीवास्तव ने स्मृति चिह्न भेंट कर किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. जया सुरजानी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्री वायंगणकर ने कहा कि "विज्ञापन अब केवल उत्पाद बेचने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज से संवाद का एक प्रभावी जरिया बन गया है । यहां छात्रों ने न केवल कल्पना की उड़ान भरी है, बल्कि ब्रांड को एक नई दृष्टि से परिभाषित किया है ।" उन्होंने कहा कि वे इसी जोश और उत्साह के साथ रचनात्मकता और तकनीकी दक्षता को मिलाकर अपने भविष्य को संवारें।

विज्ञापन, समाज से संवाद का प्रभावी माध्यम : हेमंत वायंगणकर

संवाददाता ● भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा एडवर्टर 360 नामक एक अनूठी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसने विभाग को रचनात्मकता, नवाचार और संचार की जीवंत प्रयोगशाला में बदल दिया। इस प्रदर्शनी में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों ने अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए देश के चुनिंदा ब्रांड्स 360 डिग्री विज्ञापन अभियानों की प्रस्तुति दी।इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश माध्यम में महाप्रबंधक एवं प्रभारी प्रशासन श्री हेमंत वायंगणकर को विभागाध्यक्ष डॉ. पवित्र श्रीवास्तव ने स्मृति चिह्न भेंट कर किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. जया सुरजानी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में श्री वायंगणकर ने कहा कि "विज्ञापन अब केवल उत्पाद बेचने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज से संवाद का एक प्रभावी जरिया बन गया है । यहां छात्रों ने न केवल कल्पना की उड़ान भरी है, बल्कि ब्रांड को एक नई दृष्टि से परिभाषित किया है ।" उन्होंने कहा कि वे इसी जोश और उत्साह के साथ रचनात्मकता और तकनीकी दक्षता को मिलाकर अपने भविष्य को संवारें । एडवर्टर 360 प्रदर्शनी में हर छात्र समूह ने एक ब्रांड चुना और उसके लिए विज्ञापन की पूरी श्रृंखला तैयार की। जिसमें- प्रिंट विज्ञापन, टीवीसी (टेलीविजन कमर्शियल्स), रेडियो जिंगल, सोशल मीडिया पोस्ट्स, पैकेजिंग डिज़ाइन, आउटडोर प्रचार माध्यम, ब्रोशर एवं पोस्टर डिजाइन शामिल थे। इन सभी माध्यमों के जरिए छात्रों ने दिखाया कि कैसे एक ब्रांड को हर मंच पर एक मजबूत और सुसंगत छवि के साथ प्रस्तुत किया जा सकता है।

कार्यक्रम में विभाग के पूर्व छात्र भी शामिल हुए, इसमें विशेष बात यह रही कि बैच 2003-2005 की पूर्व छात्राएं, मृदुता शर्मा और कल्पना शर्मा विशेषज्ञ के रूप में शामिल हुईं। दोनों ने विज्ञापन और जनसंपर्क के क्षेत्र में अपने व्यावसायिक अनुभवों को साझा करते हुए छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान किया। क्विज और ज्ञान का समावेश - कार्यक्रम को और भी रोचक बनाने के लिए 'ब्रांडिंग क्विज़' और 'गेस द लोगो' जैसे मनोरंजक क्विज का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन गतिविधियों में विभिन्न ब्रांड्स के लोगो, टैगलाइन और ब्रांड एंबेसडर से संबंधित प्रश्न पूछे गए। यह पहल छात्रों की ब्रांड जागरूकता को बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी, जिससे वे मार्केटिंग और उपभोक्ता व्यवहार को बेहतर ढंग से समझ सकें।प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के विद्यार्थी, शिक्षक, और आमंत्रित अतिथि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने छात्रों की मेहनत, प्रस्तुति कौशल और नवाचार की सराहना की।

अवैध बिजली उपयोग करने पर प्रकरण बनाएं : क्षितिज सिंघल

5 रुपए में ज्यादा से ज्यादा कनेक्शन प्रदान करें

संवाददाता ● भोपाल

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा दतिया जिले में राजस्व विद्युत आपूर्ति एवं रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) योजना में चल रहे कार्यों को लेकर प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने एक समीक्षा बैठक ली। कलेक्टर सभागार में आयोजित बैठक के दौरान उन्होंने 5 रुपए में ज्यादा से ज्यादा स्थाई नवीन कनेक्शन देने पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यदि जो लोग कनेक्शन नहीं लेते हैं और अनधिकृत विद्युत का उपयोग करते हैं तो उनके विरुद्ध प्रकरण बनाए जाएं।

समीक्षा

समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य महाप्रबंधक श्री अमित श्रीवास्तव , महाप्रबंधक श्री धर्मेन्द्र कौशिक एवं समस्त अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्व समीक्षा में श्री सिंघल द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में 5 रुपए में दिए जा रहे घरेलू एवं कृषि नवीन कनेक्शनों की वितरण केन्द्र अनुसार समीक्षा की। इसके बाद स्वयं उस ग्राम में पहुंचे जहां 5 रुपए में एक नवीन कनेक्शन ऑनलाइन करवाया गया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को 5 रुपए में स्थाई विद्युत कनेक्शन लेने के लिए प्रेरित भी किया। प्रबंध संचालक ने भोपाल से भेजी जाने वाली ऑनलाइन आरसीडीसी मॉड्यूल के कनेक्शन की दतिया शहर में स्वयं जाकर जांच की और मौके पर कनेक्शन कटा पाया गया। प्रबंध संचालक ने विजिलेंस चेकिंग टीम के कार्यों की प्रशंसा करते हुए विद्युत का अनधिकृत उपयोग करने वालों के खिलाफ तत्काल चोरी के प्रकरण दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने लॉस अधिक होने वाले क्षेत्रों के मीटर रीडरों को अपने कार्य में सुधार करने की चेतावनी भी दी।

21वां वर्ल्ड रोज़ कंवेन्शन 2028 होगा भोपाल में, वर्ल्ड रोज़ सोसायटी के अध्यक्ष चुने गए श्री सुशील प्रकाश

21वें वर्ल्ड रोज़ कंवेन्शन के आतिथ्य का अवसर प्राप्त करना हमारे लिए गर्व का विषय

संवाददाता ● भोपाल

वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज़ सोसायटीज़ (WFRS) द्वारा 21वां वर्ल्ड रोज़ कंवेन्शन 2028 में भोपाल में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में दुनिया भर के 700 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के सम्मिलित होंगे। अपनी झीलों और उद्यानों की सुरम्य पृष्ठभूमि के साथ भोपाल थीमैटिक गार्डन, तकनीकी सत्रों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और राज्य भर में पर्यटन अनुभवों के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करेगा।

आयोजन

जापान के फुकुयामा शहर में आयोजित हुए 20वें वर्ल्ड रोज़ कन्वेंशन में इसकी आधिकारिक घोषणा हुई। जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड (एमपीटीबी) ने किया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने किया। इस समारोह में वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज़ सोसायटीज़ के नए अध्यक्ष श्री सुशील प्रकाश बनाए गए। वे पहले भारतीय हैं जो डब्ल्यूएफआरएस के अध्यक्ष के रूप में चुने गए हैं। इस अवसर पर जापान के फुकुओका शहर में इंडियन कौंसल जनरल श्री रामकुमार के साथ एमपीटीबी के डिप्टी डायरेक्टर (इवेंट एंड मार्केटिंग) श्री विवेक जूड, ट्रेवल इंडिया टूर्स के श्री महेंद्र प्रताप सिंह सहित मध्य प्रदेश रोज़ सोसायटी के 14 सदस्य उपस्थित थे।

कंवेन्शन के समापन समारोह में प्रमुख सचिव श्री शुक्ला को डब्ल्यूएफआरसी द्वारा आतिथ्य का अधिकार प्रदान करते हुए सम्मान पूर्वक ध्वज सौंपा गया। समारोह में ऑस्ट्रेलिया, जापान, फिनलैंड, यूनाइटेड किंगडम, यूरोप, दक्षिण कोरिया और कई अन्य देशों के 500 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। गौरतलब है कि राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल मध्यप्रदेश रोज़ सोसायटी के मुख्य संरक्षक हैं। इस अवसर पर प्रमुख श्री शुक्ला ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि "अतुलनीय और अद्भुत मध्य प्रदेश" में 21वें वर्ल्ड रोज़ कंवेन्शन के आतिथ्य का अवसर प्राप्त करना हमारे लिए गर्व का विषय है। मध्य प्रदेश अपनी सांस्कृतिक विरोसतों, धरोहरों और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विश्व में पहचाना जाता है। हम दुनिया भर के सभी गुलाब प्रेमियों और आगंतुकों का हृदय प्रदेश में हृदय से स्वागत करते हैं।

दुनिया ने देखे "अतुलनीय मध्य प्रदेश" के रंग

जापान में हुए वर्ल्ड रोज़ कन्वेंशन में दुनिया ने अतुलनीय मध्य प्रदेश के अनोखे रंग देखे। व्याख्यानों और कार्यशालाओं में मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड की ओर से प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। इसमें माध्यम से मध्य प्रदेश की संस्कृति विरासतों, धरोहरों, प्राकृतिक सौंदर्य आदि के बारे में आगंतुकों को जानकारी प्रदान की गई। मध्य प्रदेश की भागीदारी न केवल इसकी वैश्विक पर्यटन आकांक्षाओं को मज़बूती दी, बल्कि 2028 में होने वाले 21वें वर्ल्ड रोज़ कन्वेंशन के माध्यम से राज्य की जैव विविधता, सांस्कृतिक समृद्धि और सतत पर्यटन की दृष्टि को विश्व पटल पर प्रस्तुत किया।

क्या है वर्ल्ड रोज़ कंवेन्शन - वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज़ सोसायटीज़ द्वारा हर तीन साल में दुनिया के अलग-अलग देशों में वर्ल्ड रोज़ कंवेन्शन का आयोजन किया जाता है। इस कंवेन्शन में दुनिया भर के गुलाब प्रेमी, विशेषज्ञ और आगंतुक एक शहर में जुटते हैं। 20वां वर्ल्ड रोज़ कंवेन्शन जापान के फुकुयामा शहर में 18 से 24 मई 2025 में आयोजित किया गया। इसके आतिथ्य का अवसर जापान रोज़ सोसायटी को प्राप्त हुआ। गुलाब की खेती, गमले में रोपण तकनीक, मिट्टी विज्ञान और बागवानी नवाचार पर केंद्रित प्रदर्शनियां, विशेषज्ञों के व्याख्यान और कार्यशालाओं का आयोजन हुआ। इसी क्रम में तीन वर्ष बाद 2028 में भोपाल, मध्य प्रदेश में इसका आयोजन होगा।

प्रशासन की शहर को हराभरा बनाने की पहल : 20 लाख पौधे रोपेंगे

अब नई कॉलोनी की अनुमति तभी जब 10% जमीन पर होगी हरियाली

संवाददाता ● इंदौर

जिले में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मानसून के दौरान पौधारोपण का सघन अभियान चलाया जायेगा। इस अभियान की व्यापक तैयारियां प्रारंभ हो गई है। अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ जन आंदोलन बनाया जायेगा। अभियान के तहत पौधारोपण के लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार की जा रही है। जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित कर इस कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया जायेगा। प्रारंभिक रूप से जिले में 20 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया है। हरित इंदौर बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय भी लिये गये है। इसके तहत इंदौर में अब कॉलोनी विकास की अनुमति के साथ 10 प्रतिशत क्षेत्र में हरित क्षेत्र विकसित करने की शर्त भी जोड़ी जायेगी। इस 10 प्रतिशत में से ढ़ाई प्रतिशत क्षेत्र में सघन पौधारोपण करना जरूरी होगा। उक्त कार्य होने के पश्चात कॉलोनी पूर्णता का प्रमाण-पत्र दिया जायेगा। साथ ही ऐसे संगठन और संस्थाएं जो पौधारोपण करना चाहती है, उन्हें भूमि भी चिह्नित कर पौधारोपण के लिए दी जायेगी। इसकी सूची नगर निगम के 311 ऐप पर उपलब्ध रहेगी।

पहल

पौधों की सुरक्षा पर रखा जाएगा विशेष ध्यान

यह जानकारी कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा ली गई समीक्षा बैठक में दी गई। बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आर.पी. अहिरवार, वनमंडलाधिकारी प्रदीप मिश्रा सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह ने मानसून के पूर्व पौधारोपण की सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अभी से सभी विभाग पौधारोपण के लिए स्थान चयनित कर लें। पौधों की व्यवस्था कर ली जाये। गड्ढे खुदाई का कार्य भी अभी से प्रारंभ कर दें। पूर्व वर्ष में जो भी पौधे लगे है, उनकी सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जाये। यह ध्यान रखा जाये कि नये और पुराने लगे सभी पौधे जीवित रहें। पौधों की सुरक्षा और सिंचाई के प्रबंध भी सुनिश्चित किये जायें। संख्या पर नहीं बल्कि गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखें।

विभागों को लक्ष्य आवंटित

बैठक में उन्होंने पौधारोपण के लिए विभागों को लक्ष्य आवंटित किये। बताया गया कि जिले में प्रारंभिक रुप से 20 लाख पौधे लगाये जाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्य रुप से वन विभाग द्वारा 10 लाख पौधे लगाये जायेंगे। इसके अलावा नगर निगम द्वारा दो लाख, जिला पंचायत द्वारा एक लाख, इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा ढ़ाई लाख, उद्यानिकी विभाग द्वारा एक लाख, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ढ़ाई लाख पौधों का रोपण प्रमुखता से किया जायेगा। नगर परिषदों, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ, उद्योग आदि विभाग भी पौधारोपण अभियान में हिस्सा लेंगे। इनके लिए भी लक्ष्य तय किये गये हैं।

अभियान को जन आंदोलन बनाएंगे - जिला प्रशासन इस अभियान को जनभागीदारी से जन आंदोलन का स्वरुप देने की योजना बना रहा है। इसके तहत विभिन्न विभागों, संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों को इस अभियान में सक्रिय रुप से जोड़ा जाएगा। पौधारोपण के लिए एक विस्तृत कार्य योजना तैयार की जा रही है, जिसे शीघ्र ही अंतिम रुप दिया जाएगा।

प्रशासन ने रखीं कुछ शर्तें

कलेक्टर आशीष सिंह ने हरित इंदौर के लिए कॉलोनी विकास के लिये जारी की जाने वाली विकास अनुमति में 10 प्रतिशत क्षेत्र को हरित क्षेत्र के रूप में विकसित करने की शर्त का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिये है। उन्होंने इस संबंध में कॉलोनी सेल प्रभारी को आदेश जारी करने के संबंध में निर्देशित किया है। बताया गया कि इंदौर में अब नवीन कॉलोनी विकास की अनुमति के साथ 10 प्रतिशत क्षेत्र को हरित क्षेत्र के रूप में विकसित करना अनिवार्य होगा। इसमें से 2.5 प्रतिशत क्षेत्र में सघन पौधारोपण करना जरूरी रहेगा। यह कार्य पूर्ण किये बिना कॉलोनी को पूर्णता प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जायेगा। यह निर्णय इंदौर को दीर्घकालिक रूप से हरित और पर्यावरण अनुकुल बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। जो संगठन और संस्थाएं पौधारोपण करना चाहती हैं, उनके लिए नगर निगम द्वारा चिह्नित भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। इन स्थलों की जानकारी इंदौर नगर निगम के 311 मोबाइल ऐप पर भी उपलब्ध रहेगी, ताकि कोई भी संस्था आसानी से अपने नजदीकी क्षेत्र में पौधारोपण कर सके।

पौधा विक्रय केंद्र में ऑनलाइन पेमेंट की भी सुविधा - नवरतन बाग स्थित वन विभाग कार्यालय में पौधा विक्रय केंद्र प्रारंभ किया गया है। यहां विभिन्न प्रजातियों के पौधे उपलब्ध रहेंगे, जिनमें सजावटी, फलदार, छायादार और औषधीय पौधों की प्रजातियां शामिल हैं। यहां अधिक ऊंचाई वाले शोभामान पौधे भी मिलेंगे, जो घरों, संस्थानों और उद्यानों की सुंदरता बढ़ाते हैं। इस पौधा विक्रय केंद्र की खास बात यह है कि यहां ग्राहक अब ऑनलाइन पेमेंट कर अपने मनपसंद पौधों की खरीदारी कर सकेंगे। यह सुविधा विशेष रूप से युवाओं और तकनीक से जुड़े लोगों के लिए सहूलियत भरी होगी।

शॉर्ट न्यूज

11 जिलों की यूनिवर्सिटी को मिलेंगे स्थाई परीक्षा नियंत्रक

इंदौर। वर्षों से अस्थायी व्यवस्था के तहत काम करने के बाद डीएवीवी और मप्र की 11 अन्य यूनिवर्सिटी को जल्द ही स्थायी परीक्षा नियंत्रक मिल जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है और पात्र उम्मीदवारों से निर्धारित प्रारूप में 13 जून तक आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह निर्णय कई संस्थानों, खासकर डीएवीवी के लिए राहत की बात है, जहां कई वर्षों से परीक्षा विभाग कार्यवाहक अधिकारियों द्वारा चलाया जा रहा था। इस कदम से प्रशासनिक स्थिरता आने और परीक्षाओं और संबंधित प्रक्रियाओं के संचालन में सुधार होने की उम्मीद है। डीएवीवी के अलावा इस भर्ती अभियान में बरकतुल्लाह विवि (भोपाल), रानी दुर्गावती विवि (जबलपुर), अवधेश प्रताप सिह विश्वविद्यालय (रीवा), जीवाजी विश्वविद्यालय (ग्वालियर), विक्रम विवि (उज्जैन), आदि शामिल हैं।

कुएं में गिरे तेंदुए को सुरक्षित निकाला

इंदौर। इंदौर जिले के दतोदा गांव में शुक्रवार को एक तेंदुआ खेत के कुएं में गिर गया। इस घटना से गांव में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। सूचना मिलते ही वन विभाग ने तत्काल एक बचाव दल भेजा। वन परिक्षेत्र अधिकारी योगेश यादव ने बताया कि तेंदुए को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। तेंदुआ कुएं में पानी में फंसा हुआ था, लेकिन टीम ने सतर्कता और अनुभव से उसे बिना किसी हानि के बाहर निकाला। बचाए गए तेंदुए को फिलहाल इंदौर के चिड़ियाघर में निगरानी में रखा गया है,जहां उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। यादव ने बताया कि गर्मी के कारण जंगली जानवर भोजन और पानी की तलाश में गांवों की ओर भटक आते हैं। तेंदुए को स्वस्थ पाए जाने पर जल्द ही जंगल में छोड़ दिया जाएगा।

नशे का जहर बेचने वाला धराया

इंदौर। शहर में नशे के कारोबार पर बड़ा प्रहार करते हुए क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस ने एक आदतन तस्कर को दबोचा है,जिसके पास से करीब 5 लाख रुपए कीमत की 22 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई। आरोपी लंबे समय से नशे की तस्करी में लिप्त था और खुद भी नशे का आदी है। गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम मुस्ताक खान (उम्र 45 वर्ष) है,जो ग्राम माचल, धार रोड इंदौर का निवासी है।आरोपी महज तीसरी कक्षा तक पढ़ा है और ट्रक ड्राइवरी करता था, लेकिन उस पर पहले से चोरी,आर्म्स एक्ट और आबकारी एक्ट से जुड़े कई गंभीर अपराध दर्ज हैं।पुलिस को एमएस कोरल वेली क्षेत्र में गश्त के दौरान उसकी गतिविधियां संदिग्ध लगीं। तुरंत घेराबंदी कर उसे पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह सस्ते दामों में एमडी ड्रग्स लाकर शहर में सप्लाई करने की फिराक में था। क्राइम ब्रांच ने केस दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

अगले महीने से बारिश, लेकिन निगम नहीं बन पाया जर्जर बिल्डिंग की लिस्ट

पुराने शहर और मध्य क्षेत्र में सबसे अधिक खतरनाक मकान

संवाददाता ● इंदौर

लापरवाही से काम करना या काम ही नहीं करना नगर निगम अधिकारियों के लिए कोई नई बात नहीं है। ऐसे ही एक लापरवाही का मामला और सामने आया है। मामला यह है कि बारिश का मौसम अगले महीने से शुरू हो जाएगा। इसमें अब एक महीने का समय भी नहीं बचा है और नगर निगम अधिकारी अभी तक शहर में स्थित जर्जर और खतरनाक मकान की लिस्ट तक नहीं बना पाए हैं। जानकारी अनुसार शहर के मध्य क्षेत्र और जूनी इंदौर में सबसे ज्यादा खतरनाक मकान स्थित है। बताया जा रहा है कि इनमें खजूरी बाजार में एक खतरनाक भवन है जो किसी भी दिन हादसे का कारण बन सकता है। इस भवन के खतरनाक होने का बोर्ड भी लगा रखा है जिसे तत्काल गिराया जाना जरूरी है। अन्यथा किसी भी प्रकार की गम्भीर घटना हो सकती है। इसी तरह जवाहर मार्ग, जिंसी, छावनी, एमजी रोड, जेल रोड, सराफा जूनी इंदौर सहित अनेक ऐसे स्थान हैं जहां आज भी जहां आज भी जर्जर भवन खड़े हुए हैं जो दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं।

मामला

जूनी इंदौर सहित आस-पास के कई झोन क्षेत्र में ज्यादा खतरनाक मकान - झोनल कार्यालय तीन, 11, 12 सहित कुछ झोन ऐसे भी

हैं, जहां खतरनाक स्थिति में बहुमंजिला भवन हैं जो तोड़ने हैं किंतु निगम अभी तक ऐसी सूची ही तैयार नहीं कर पाया है, जिससे ये पता चले कि शहर में कुल कितने भवन ऐसे हैं जो जर्जर हो चुके हैं। कुछ मकानों में किराएदार मकान मालिकों के बीच कोर्ट में प्रकरण चल रहा है। किराएदार का कब्जा भी है। ऐसे ही मामले में निगम कुछ कर नहीं पाता है। ऐसे ही एक खतरनाक भवन को लेकर राजनीतिक दखल को समाप्त करने की साजिश रची जा चुकी है। वह अलग बात है कि उक्त भवन व स्थान पर आज जो बहुमंजिला इमारत खड़ी हैं वह नियम विरुद्ध है ऐसे अनेक मामले हैं जिनमें कहीं न कहीं राजनीतिक का हस्तक्षेप है।

सात करोड़ से संवरेगा 135 वर्ष पुराना रणजीत हनुमान मंदिर

इंदौर। रणजीत हनुमान मंदिर का कायापलट होने जा रहा है। यहां रणजीत लोक बनाकर मंदिर का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इस पर कुल 7 करोड़ रुपए खर्च होंगे। प्लान तैयार हो चुका है, टेंडर की प्रक्रिया भी पूरी हो गई है। मंदिर के पुजारी पं. दीपेश व्यास ने कहा- रणजीत हनुमान मंदिर 135 साल से भी ज्यादा पुराना है। यहां इंदौर ही नहीं, आस-पास के जिलों से भी श्रद्धालु आते हैं। मंगलवार और शनिवार को यहां भक्तों की संख्या हजारों में पहुंच जाती है।

मंदिर प्रशासक एनएस राजपूत ने बताया कि रणजीत लोक तैयार होने के बाद श्रद्धालु मंदिर के पास बने बड़े मैदान से प्रवेश करेंगे। वहां से एक पाथ-वे के माध्यम से छोटी पार्किंग तक पहुंचेंगे। पाथ-वे में जिग-जैग पैटर्न पर रेलिंग लगाई जाएंगी। इनकी संख्या भीड़ के अनुसार घटाई या बढ़ाई जा सकेगी। इसके बाद श्रद्धालु दत्त मंदिर से होते हुए दर्शन की मुख्य लाइन में पहुंचेंगे। भगवान के दर्शन कर वहीं से वापस बाहर निकलेंगे।

मंदिर प्रशासक राजपूत ने बताया- यहां सभी तरह के मौसम के मुताबिक व्यवस्थाएं जुटाई जाएंगी ताकि सर्दी, गर्मी और बारिश में भक्तों को परेशानी न हो। बैठने के लिए नई बेंच लगेंगी। बाउंड्रीवाल भी बनाई जाएगी। 25 फीट का पाथ-वे बनेगा, इसकी दीवारों पर पत्थरों से भगवान हनुमान से जुड़े दृश्य उकेरे जाएंगे। रामायण और सुंदरकांड को तस्वीरों में दर्शाया जाएगा। रणजीत लोक की छत पर भी नक्काशी की जाएगी। बाउंड्रीवॉल पर रंगबिरंगी लाइटिंग लगेगी। यहां भी सुंदरकांड का चित्रण होगा। मंदिर का एक्सटेंशन 40 फीट आगे तक होगा। नया मुख्य द्वार बनेगा। शेड तैयार किए जाएंगे। मंदिर परिसर में ही पुलिस चौकी बनाई जाएगी। नया जूता स्टैंड, पेय जल की व्यवस्था की जाएगी। बेबी फीडिंग रूम और बुजुर्गों के लिए अन्य सुविधाएं जुटाई जाएंगी। निर्माण की जिम्मेदारी नोडल एजेंसी इंदौर स्मार्ट सिटी को दी गई है।

निगम से परेशान लोगों की करीब 4 हजार 500 शिकायतें सीएम हेल्पलाइन पर लंबित

नलों में पानी नहीं आने की करीब डेढ़ हजार शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर

संवाददाता ● इंदौर

हम भीषण गर्मी में पानी की जरूरत सभी को अधिक मात्रा में होती है। ऐसे में नगर निगम नालों के माध्यम से और अन्य टैंकरों से लोगों को पर्याप्त जलापूर्ति नहीं कर पा रहा है। परेशान लोग पानी की कमी की शिकायतें सीएम हेल्पलाइन पर कर रहे हैं। शायद यही कारण है कि सीएम हेल्पलाइन पर नगर निगम की लंबित शिकायतों में सबसे अधिक करीब 1500 शिकायतें सिर्फ पानी नहीं आने से संबंधित बताई जा रही है। इसके अतिरिक्त सीएम हेल्पलाइन पर सबसे ज्यादा बिल्डिंग परमिशन और अवैध निर्माण की शिकायतें लंबित है। नगर निगम की कुल 4 हजार 500 से अधिक शिकायतें वर्तमान में सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज हैं।

जानकारी अनुसार नगर निगम की शिकायतों से संबंधित गुस्सा लोग सीएम हेल्पलाइन पर निकल रहे हैं। बताया जा रहा है कि नगर निगम अधिकारियों की लापरवाही के कारण सीएम हेल्पलाइन पर निगम से संबंधित शिकायतें लगातार पड़ रही है। वर्तमान में नगर निगम की 27 विभागों की 4 हजार 500 से अधिक शिकायतें दर्ज हैं, जिसमें से लेवल 1 में 2654, 2 में 636 और 1064 शिकायतें हैं। पीने के पानी की ही सबसे अधिक शिकायतें लंबे समय से चल रही हैं। 1214 शिकायतें पानी नहीं आने, गंदा पानी आने या बिना पानी के ही बिल आने जैसी शिकायतें हैं। इसी रह सीवेरज, ड्रेनेज की 807 शिकायतें है।

साफ-सफाई, भवन अनुज्ञा, अतिक्रमण, स्थायी अतिक्रमण, स्ट्रीट लाइट, उद्यान जैसे विभागों में ही अधिक शिकायतें दर्ज हैं। निगमायुक्त शिवम वर्मा ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि जनशिकायतों पर किसी भी तरह की लापरवाही न बरतें अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी। मगर अधिकारी आयुक्त के निर्देश को भी नहीं मान रहे हैं और शिकायतें बढ़ती जा रही हैं । इसी तरह जनसुनवाई, मेयर हेल्पलाइन, आयुक्त कार्यालय, झोन कार्यालय पर भी शिकायतें होती हैं।

नर्मदे हर... सबकी झोली भर...

मां नर्मदा सबकी पालन हार है, ऐसी ही आशा लेकर नर्मदा के खेड़ीघाट पर मछलियों की तलाश करता एक मछुवारा।

कलेक्टर आशीष सिंह ने वेस्टर्न बायपास के शेष भू-अर्जन का कार्य दो दिन में पूरा करने के दिए निर्देश

इन्दौर के वेस्टर्न बायपास का निर्माण कार्य शीघ्र किया जाएगा शुरू

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर में बनने वाले 6-लेन वेस्टर्न बायपास के निर्माण को लेकर प्रक्रिया तेजी से जारी है। वेस्टर्न बायपास का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा। कलेक्टर आशीष सिंह ने निर्देश दिये कि इस बायपास के शेष भू-अर्जन का कार्य अगले दो दिन अर्थात सोमवार तक पूरा कर लिया जाये। उन्होंने निर्माण कार्य प्रारंभ करने की अन्य औपचारिकताएं भी इसी अवधि में पूरी करने के निर्देश दिये।

निर्देश

कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में आज रेसीडेंसी में इन्दौर के वेस्टर्न बायपास के भूमि अधिग्रहण कार्यवाही हेतु समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के क्षेत्रीय अधिकारी श्री श्रवण कुमार सिंह, इन्दौर के परियोजना निदेशक श्री सुमेश बांझल, भू-अर्जन विशेषज्ञ श्री एस.एन. रूपला के साथ एसडीएम देपालपुर, हातोद एवं सांवेर भी उपस्थित थे। बैठक में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा इन्दौर शहर के वेस्टर्न बायपासw के भूमि अधिग्रहण भू-अर्जन हेतु की गई कार्यवाही की विस्तृत जानकारी दी

गई। बैठक के दौरान भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण प्राधिकरण की ओर से भू-अर्जन विशेषज्ञ एस.एन. रूपला द्वारा इन्दौर के वेस्टर्न बायपास के भू-अर्जन हेतु तैयार किये गये ड्राफ्ट 3जी की विस्तृत जानकारी दी गई।

कलेक्टरआशीष सिंह ने सभी एसडीएम को भू-अर्जन के लिए 3जी की कार्यवाही सोमवार तक पूर्ण करने हेतु निर्देश दिये, ताकि वेस्टर्न बायपास का निर्माण अतिशीघ्र प्रारंभ किया जा सके। इसके अलावा कलेक्टर श्री सिंह ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की अन्य निर्माणाधीन परियोजनाओं जिनमें तेजाजीनगर से बलवाड़ा 4 लेन मार्ग, इन्दौर से राघवगढ़ 4-लेन मार्ग तथा इन्दौर-देवास बायपास पर एम.आर 10 जंक्शन, रालामंडल एवं अर्जुन बडौद पर फ्लायओवर निर्माण कार्यों की समीक्षा भी की। कलेक्टर श्री सिंह ने उक्त निर्माणाधीन कार्यों हेतु भूमि अधिगृहण से संबंधित समस्याओं का जल्द-जल्द से निराकरण करने, मार्ग निर्माण हेतु भूमि का कब्जा एनएचएआई को सौंपने के लिए संबंधित एसडीएम को निर्देशित किया। जिससे समस्त निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण किये जा सके एवं जनसामान्य को ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिले तथा यातायात का आवागमन सुगमता से संचालित हो सके।

आप जानते हैं ह्यसिटिंग एडिक्शन और वर्ल्ड नो टोबैको वीक में भी संबंध है?

उन दिनों, जब मैं संपादक हुआ करता था, तब अगर मेरे रिपोर्टर अपनी डेस्क पर नहीं मिलते थे, तो मैं सीधे वॉटर कूलर के पास पहुंच जाता था। उनमें से कम से कम दो लोग वहां गहरी चर्चा करते हुए मिल जाते थे। मुझे देखते ही वे बिना पूछे कहते, ह्लबस पानी पीने आए थे!ह्व लेकिन आजकल के दफ्तरों में वॉटर कूलर के पास खड़े होकर, बीती रात देखे गए टीवी सीरियल की चर्चा करने वाले दिन चले गए हैं। आज अगर आप चाहते हैं कि जेन जी को किसी शो के बारे में पता चले, तो उस शो की रील उनकी सोशल मीडिया फीड पर वायरल होनी चाहिए, कई चैनल मालिक इस बात को बखूबी जानते हैं। टीवी सीरियल निमार्ताओं के लिए वॉटर कूलर्स के जरिए इन युवा दर्शकों तक पहुंचना मुश्किल है। इसलिए ताज्जुब की बात नहीं कि वे अब छोटे-छोटे कंटेंट सोशल मीडिया पर डालते हैं।

इससे मैं सोचने पर मजबूर हो गया कि ये जेन जी छोटी फीड किस तरह देखती है। इस शुक्रवार को जब मैं एक ग्लोबल आईटी कंपनी गया, तो वहां मेरे दिमाग का एंटीना एकदम सतर्कता वाले मोड में था, वहां मैंने देखा कि जेन जी के लोग सबसे पहले बैठने का मौका तलाश रहे थे, फिर चाहे कहीं भी हो। मैंने देखा कि एक युवा की नजरें कमरे में खाली कुर्सी ढूंढ रही थीं। उसके दिमाग में चल रहा था, ह्लवहां एक खाली कुर्सी है। अगर मैं जल्दी पहुंचा तो मुझे मिल जाएगी। दूसरा व्यक्ति जो कुछ सेकंड बाद आया, उसने सोचा, ह्लमैं बिना बैठे मीटिंग में शामिल नहीं होऊंगा।

मेरे पास क्लाइंट कॉल है। अगर मुझे बैठने की जगह नहीं मिली तो मैं माफी मांग लूंगा।ह्व मैंने सोचा कि अगर दोनों एक साथ कमरे में आते और दोनों की नजरें उसी खाली कुर्सी पर होतीं, तो यह एक म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता जैसा होता। मीटिंग के बाद मेट्रो में यात्रा करते समय मैंने उसी जेन जी वाले युवा को देखा जो खड़ा था और उसकी नजरें यह गुणा-भाग कर रही थीं कि कौन सा व्यक्ति अगले स्टेशन पर उतरेगा। जब उसकी गणना गलत हो गई, तो उसके चेहरे पर स्पष्ट निराशा दिखी।

इससे मैं सोचने पर मजबूर हो गया कि ये जेन जी छोटी फीड किस तरह देखती है। इस शुक्रवार को जब मैं एक ग्लोबल आईटी कंपनी गया, तो वहां मेरे दिमाग का एंटीना एकदम सतर्कता वाले मोड में था, वहां मैंने देखा कि जेन जी के लोग सबसे पहले बैठने का मौका तलाश रहे थे, फिर चाहे कहीं भी हो।

वह खड़े होने की जगह बदलता रहा ताकि अगले स्टेशन पर उतरने वाले व्यक्ति को देख सके। यही जेनरेशन एयरपोर्ट पर भी देखी जा सकती है, जहां सभी सीटें भरी होती हैं, तो वे फर्श पर आराम से बैठ जाते हैं। रेलवे स्टेशनों पर भी यही हाल है। कुछ इसे आधुनिक स्टाइल मानते हैं और कुछ सोचते हैं ह्लकिसे परवाह है।ह्व याद रखिए इसका संबंध दूसरों की राय से नहीं, बल्कि खुद से जुड़ा है।

दुर्भाग्यवश, वे यह नहीं समझते कि वे बैठने की लत के चरम पर पहुंच चुके हैं! अगर आप भी लंबे समय तक बैठते हैं, तो यह चेतावनी आपके लिए है। इस सप्ताह प्रकाशित एक शोध के अनुसार, बैठने की लत आपके मस्तिष्क को सिकोड़ सकती है, जिससे संज्ञानात्मक समस्याएं हो सकती हैं और जीवन के बाद के वर्षों में विभिन्न प्रकार के डिमेंशिया का खतरा बढ़ सकता है।

एक लेख में कहा गया है, ह्लबैठना नए तरह का धूम्रपान है।ह्व हर साल 31 मई को मनाया जाने वाला ह्यवर्ल्ड नो टोबैको डेह्व तंबाकू के उपयोग के खतरों के बारे में जनता को जागरूक करता है। आपको राज की बात बताऊं? जो लोग बैठे रहते हैं, वे भले ही नॉन-स्मोकर्स हों, लेकिन जैसे स्मोकर्स खिड़की से सिगरेट बट फेंकने के लिए उठते हैं, वैसे ही बैठने की इस आदत को खिड़की से बाहर फेंकने के लिए उठिए, क्योंकि यह भी स्मोकिंग से कम नहीं है! शोधकताओं का तो यही कहना है। फंडा यह है कि लंबे समय तक बैठना एक लत की तरह है, जो शुरू करना आसान है लेकिन छोड़ना मुश्किल। इस आदत को छोड़ दें, नहीं तो वह दिन दूर नहीं जब ह्यएल्कोहलिक एनोनिमसह्व की तरह ही ह्यसिटहोलिक्स एनोनिमसह्व जैसे संगठन भी मशरूम की तरह फैलने लगेंगे।

संत वचन

जिसे उन्होंने खुद सबसे अधिक ईमानदारी से कायम रखा और अपने मंत्रालय में प्रचार करना जारी रखा।ईश्वर हम सभी के साथ रहें और वह हमारे हर प्रयास और प्रयासों को आशीर्वाद दें ताकि हम सभी चीजों में उनकी महिमा करते रहें। इसके बजाय, ईसाइयों के रूप में, यह हमेशा महत्वपूर्ण है कि हम विनम्र रहें और दूसरों की बात सुनने के लिए तैयार रहें, खासकर भगवान की बात सुनने में। एंटिओक के सेंट इग्नाटियस प्रेरितों के शुरूआती उत्तराधिकारियों में से एक थे और प्रेरितों के महान मिशनरी कार्यों के समय में ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे, जो चर्च की स्थापना कर रहे थे और दुनिया भर में कई लोगों को खुशखबरी फैला रहे थे। चर्च के इतिहास और परंपरा के अनुसार एंटिओक के सेंट इग्नाटियस सेंट जॉन द एपोस्टल के शिष्य थे, और इसलिए प्रेरितों के बारे में सीधे जानते थे और उनसे सच्चाई प्राप्त की, जिसे उन्होंने खुद सबसे अधिक ईमानदारी से कायम रखा और अपने मंत्रालय में...

हम अपनी सुरक्षा को दुनिया के भरोसे नहीं छोड़ सकते

एडिट.नोट

जीवन की तरह कूटनीति में भी जो अनकहा रह जाता है, वह कहे जितना ही मुखर होता है। जब ट्रम्प ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद संघर्ष-विराम की घोषणा- जाहिराना तौर पर श्रेय लेने की गरज से- की, तो आतंकवाद के केंद्र के रूप में पाकिस्तान की भूमिका पर उनकी चुप्पी बहुत मुखर थी। भला अमेरिका यह कैसे भूल सकता है कि वह मानव इतिहास में सबसे घातक इस्लामिक आतंकवादी हमले का शिकार हुआ था, जब वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के ट्विन-टॉवर को नष्ट कर दिया गया था और पेंटागन पर भी हमला किया गया था। अल-कायदा के ओसामा बिन लादेन की सरपरस्ती में हुए उस हमले में 2977 अमेरिकी मारे गए थे, हजारों घायल हुए थे, 10 अरब डॉलर से अधिक की सम्पत्ति नष्ट हो गई थी और 430,000 लोगों की नौकरी चली गई थी। उसके बाद से 9/11 को 2000 और अकाल-मृत्युओं के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है, और टॉक्सिक-एक्स्पोजर के कारण उस हादसे से जीवित बचे लोगों में भी कैंसर का खतरा 30% बढ़ गया है। अमेरिका को लादेन को खोजकर मारने में दस साल लगे और उसे इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। और लादेन कहां मिला? एबटाबाद में पाकिस्तान की हुकूमत द्वारा मुहैया कराए एक कड़ी सुरक्षा वाले घर में, जहां वह परिवार के साथ मजे से रह रहा था। यह भवन पाकिस्तान की सैन्य अकादमी से कुछ ही दूरी पर था। अगर यह आतंकवाद से पाकिस्तानी-तंत्र की मिलीभगत का खुलासा नहीं करता तो और क्या करता है?

आज भी पाकिस्तान में दर्जनों ऐसे आतंकवादी समूह और व्यक्ति हैं, जिन पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगाया है। इनमें मसूद अजहर के नेतृत्व वाला जैश-ए-मोहम्मद भी शामिल है। मसूद 2019 से ही संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादियों की सूची में शामिल है। लश्कर-ए-तैयबा और हाफिज सईद के नेतृत्व वाला उसका प्रमुख संगठन जमात-उद-दावा भी अमेरिका, ईयू, रूस और भारत द्वारा आतंकवादी संगठन के रूप में नामजद है। 2008 के मुंबई हमले के पीछे जिस जाकिर रहमान लखी का दिमाग था, वह यूएन सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध-सूची में शुमार है। हिज्बुल मुजाहिदीन का लीडर सैयद सलाहुद्दीन और 1993 मुंबई धमाकों के लिए जिम्मेदार दाऊद इब्राहिम को भी अमेरिका ने वैश्विक आतंकवादी घोषित किया है।आतंकवाद के प्रायोजकों पर अमेरिकी सरकार की एक अधिकृत सूची पाकिस्तान को आतंक की ऐसी ह्यसुरक्षित पनाहगाहह्व बताती है, जहां आतंकवादी और उनके समूह हुकूमत की मदद से दहशतगर्दी को अंजाम देने की योजनाएं बना सकते हैं, धन जुटा सकते हैं, भर्तियां कर सकते हैं, रंगरूटों को प्रशिक्षित कर सकते हैं और वारदातों को अंजाम दे सकते हैं। लेकिन अमेरिका और यूएन ने जिन आतंकवादियों को प्रतिबंधित किया है, वे पाकिस्तान में खुलेआम घूम रहे हैं। इस सबके बावजूद ट्रम्प ने संघर्ष-विराम की घोषणा करते हुए भारत और पाकिस्तान को एक साथ कैसे जोड़ दिया? उन्हें पता था कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित पहलगाम हमले के प्रतिशोध के रूप में शुरू किया गया था।एक ऐसा देश- जिसने खुद पाकिस्तान में पनाह लेने वाले लादेन को खोजकर मार गिराया था- उसी का राष्ट्रपति सीजफायर के बाद पाकिस्तान प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद की निंदा किए बिना भारत और पाकिस्तान दोनों को उनके बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय के लिए कैसे बधाई दे सकता है? दशकों से पाकिस्तानी प्रतिष्ठान ने जवाबदेही से बचते हुए रियायतें पाने के लिए अपनी भू-राजनीतिक स्थिति का लाभ उठाने की कला में महारत हासिल की है। लेकिन भारत को इन दोहरे मानदंडों का कड़ा विरोध करना होगा। दुनिया ने पाकिस्तान की हकीकत से न केवल आंखें मूंद ली हैं, बल्कि आईएमएफ ने एक बार फिर इस आतंकवादी देश को पुरस्कृत भी किया। लेकिन भारत के पास इस तरह से अतीत को भूलने की सुविधा नहीं है। हमारे लिए पाकिस्तान में मौजूद आतंकवाद का बुनियादी ढांचा एक अस्तित्वगत खतरा है। यह हमारे लिए भू-राजनीतिक सौदेबाजी का साधन मात्र नहीं है।

रुचिर शर्मा-लेखक

अरबपतियों की संख्या बढ़ना खतरे की घंटी भी हो सकती है

हर साल मैं यह देखने के लिए फोर्ब्स की फेहरिस्त का विश्लेषण करता हूं कि किन देशों में अरबपतियों की सम्पत्ति उनके देश की जीडीपी के हिस्से के रूप में बढ़ रही है। या किन देशों में सम्पत्ति अरबपतियों के पारिवारिक साम्राज्य में केंद्रित होकर रह जा रही है या उन बुरे उद्योगों में तब्दील हो रही है, जो उत्पादकता से अधिक भ्रष्टाचार के लिए जाने जाते हैं। जिन देशों में इस तरह के मामले सबसे ज्यादा मिलते हैं, वहां पूंजीवाद-विरोधी विद्रोहों का खतरा भी सबसे अधिक रहता है। इस साल चेतावनियों के संकेत स्वीडन की ओर इशारा कर रहे हैं। भले ही कई प्रगतिशील लोग स्वीडन को एक समाजवादी-स्वर्ग के तौर पर देखते हों, लेकिन वहां अरबपतियों की संपत्ति जीडीपी के 31% तक हो गई है। यह 20 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है। आज स्वीडन में 45 अरबपति हैं, जो अमेरिका से प्रति व्यक्ति पैमाने पर डेढ़ गुना अधिक हैं। अब तक के सबसे धनी अमेरिकी जॉन डी. रॉकफेलर हैं, जिनकी सम्पत्ति 1910 के आसपास जीडीपी की 1.5% से अधिक थी। आज किसी अमेरिकी के पास इतनी दौलत नहीं। आज के रॉकफेलर स्वीडन में हैं, जिनमें से सात की सम्पत्ति जीडीपी के हिस्से में रॉकफेलर से अधिक है। एक कार्यशील अर्थव्यवस्था से अरबपतियों की संतुलित श्रेणी निर्मित होती है, जिसमें रियल एस्टेट और कमोडिटी जैसे सेक्टरों की ह्यबैड वेल्थह्व की तुलना में टेक और मैन्युफैक्चरिंग जैसे उद्योगों की ह्यगुड वेल्थह्व अधिक होती है। ऐसा नहीं है कि रियल एस्टेट और कमोडिटी सेक्टर खराब हैं। लेकिन कार या सॉफ्टवेयर जैसे सेक्टरों की तुलना में उत्पादकता में उनका कम योगदान होता है। लेकिन स्वीडन में आज ह्यगुड बिलियनेअर्स की संख्या ह्यबैड बिलियनेअर्स की तुलना में आधी रह गई है। स्वीडन भले ही टेक-उद्यमियों के लिए बेहतर स्थान के तौर पर प्रसिद्ध हो, लेकिन इनमें से तीन ही फोर्ब्स की सूची में जगह पा सके हैं। अरबपतियों की सम्पत्ति में ह्यगुड वेल्थ का हिस्सा महज 12% है, जो शीर्ष 10 विकसित देशों की सूची में तीसरा सबसे निम्नतम है।

स्वीडन ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अनियंत्रित वेलफेयर-स्टेटिज्म के अपने प्रयोग की विफलता के बाद वेल्थ-क्रिएशन को प्रोत्साहित करना शुरू किया। भारी करों के चलते वहां की मशहूर हस्तियां और उद्योगपति पलायन करने लगे। 1990 के दशक की शुरूआत में आए वित्तीय संकटों ने स्वीडन को समाजवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया। उसने उच्च आय करों से भुगतान की जाने वाली मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को समाप्त नहीं किया। लेकिन धन, विरासत, निगमों और अचल संपत्ति पर करों को समाप्त या कम करते हुए कल्याणकारी राज्य का आकार छोटा कर दिया। 2000 के दशक का मध्य आते-आते वहां के सुपर-रिच पलायन नहीं कर रहे थे। उलटे वे हावी हो गए थे। स्वीडन के अरबपतियों की लगभग 70% संपत्ति विरासत (इनहेरिटेंस) से आती है, जो फ्रांस और जर्मनी के बाद तीसरी सबसे अधिक है। स्वीडन हाल के वर्षों में अरबपतियों की संख्या में उछाल देखने वाला एकमात्र बड़ा कल्याणकारी राज्य नहीं है। फ्रांस में भी ऐसा हुआ है। लेकिन दोनों में विशेष असंतुलन है। स्वीडन में विकृत कर और ईजी-मनी (आसानी से मिलने वाला कर्ज) है।

वह वेतन की तुलना में पूंजी पर बहुत कम कर लगाता है, और कभी-कभी पूंजी पर प्रतिगामी कर लगाता है। स्वीडन ने ब्याज दरों को यूरोपीय औसत से भी नीचे रखा है। कम दरों से संपत्ति की कीमतें बढ़ती हैं, जबकि अमीरों के लिए अधिक लाभ कमाने के लिए पैसे उधार लेना आसान हो जाता है। हाल के चुनावों में, राजनीतिक गुस्सा असमानता नहीं अप्रवासियों और अपराध पर केंद्रित रहा है। कई प्रमुख व्यवसायी अपनी संपत्ति का दिखावा करने के बजाय दान देने के लिए अधिक जाने जाते हैं। लेकिन मेरे थ्री-बिलियनेअर्स मेट्रिक्स पर स्वीडन की समग्र रैंकिंग मेरे द्वारा ट्रैक किए जाने वाले 20 देशों में सबसे खराब है, और यह अच्छा संकेत नहीं है। मैंने 2010 में ये विश्लेषण शुरू किए थे, जब भारत में ह्यबैड बिलियनेअर्सह्व की बढ़ती सम्पत्ति ने वेल्थ-क्रिएशन के खिलाफ ऐसी प्रतिक्रिया को जन्म दिया, जो व्यावसायिक-गतिविधियों को रोकने के लिए पर्याप्त थी। इसके बाद वाले दशक में अरबपतियों के मेट्रिक्स पर निराशाजनक परिणाम ने दुनिया भर में विद्रोहों का संकेत दिया। इनमें चिली में 2019 में सामाजिक-विषमता के खिलाफ बड़े पैमाने पर दंगे भड़कने से पहले और फ्रांस में 2023 में ह्यटैक्स-द-रिचह्व रैलियों के फैलने से पहले हुए विद्रोह शामिल हैं। पेरिस के विरोध-प्रदर्शनों में तो शीर्ष अरबपतियों को नाम लेकर निशाना बनाया गया था।

बिजनेस

एपल भारत में ही बनाएगी आईफोन दावा-

कंपनी अमेरिकी राष्ट्रपति के दबाव में नहीं आएगी, ट्रम्प ने धमकी दी थी- अमेरिका में बनें फोन

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकी के बाद भी एपल भारत में ही आईफोन बनाएगी। उठठ की रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत में आईफोन के प्रोडक्शन से कंपनी को काफी फायदा होगा। इसीलिए कंपनी किसी राजनीतिक दबाव में कोई फैसला नहीं लेगी। मामले से जुड़े एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने बताया कि उन्हें पूरा विश्वास है कि एपल कंपनी ट्रम्प प्रशासन के किसी भी दबाव के बावजूद मुनाफे को तवज्जो देगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी भारत में उपलब्ध टैलेंट और यहां बिजनेस के लिए उपलब्ध सुविधाओं पर ज्यादा फोकस कर रही है।डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा था कि अमेरिका में बेचे जाने वाले आईफोन की मैन्युफैक्चरिंग भारत या किसी अन्य देश में नहीं, बल्कि अमेरिका में ही होनी चाहिए। उन्होंने एपल के उएड टिम कुक को बता दिया है कि यदि एपल अमेरिका में आईफोन नहीं बनाएगा तो कंपनी पर कम से कम 25% का टैरिफ लगाया जाएगा।एपल उएड के साथ हुई इस बातचीत की जानकारी देते हुए ट्रम्प ने 15 मई को कहा था कि एपल को अब अमेरिका में प्रोडक्शन बढ़ाना होगा। मुझे कल टिम कुक के साथ थोड़ी परेशानी हुई। मैंने उनसे कहा, टिम, तुम मेरे दोस्त हो, तुम 500 बिलियन डॉलर लेकर आ रहे हो, लेकिन अब मैं सुन रहा हूं कि तुम पूरे भारत में प्रोडक्शन कर रहे हो। मैं नहीं चाहता कि तुम भारत में प्रोडक्शन करो। उन्होंने आगे कहा कि अगर तुम भारत का ख्याल रखना चाहते हो तो तुम भारत में निर्माण कर सकते हो, क्योंकि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा टैरिफ वाले देशों में से एक है। भारत में बेचना बहुत मुश्किल है और उन्होंने हमें एक डील ऑफर की है। इसके तहत वे हमसे कोई टैरिफ नहीं वसूलने को तैयार हैं। मैंने टिम से कहा, देखो, हमने वर्षों तक चीन में तुम्हारे द्वारा बनाए गए सभी प्रोजेक्ट्स को सहन किया, अब तुम्हें अमेरिका में प्रोडक्शन करना होगा, हम नहीं चाहते कि तुम भारत में निर्माण करो। इंडिया अपना ख्याल खुद रख सकता है। फिलहाल एपल कंपनी अमेरिका में स्मार्टफोन नहीं बनाती है। इसके ज्यादातर आईफोन चीन में बनाए जाते हैं, जबकि भारत में अब एपल के कुल उत्पादन का लगभग 15% हिस्सा बनता है, जो सालाना लगभग 40 मिलियन यूनिट है। वहीं एपल के उएड टिम कुक ने हाल ही दिए एक इंटरव्यू में बताया था कि अमेरिकी बाजार में बिकने वाले 50% आईफोन भारत में बन रहे हैं। कुक ने कहा कि भारत अप्रैल-जून तिमाही में अमेरिका में बिकने वाले आईफोन्स का कंट्री ऑफ ओरिजिन बन जाएगा। उन्होंने बताया कि एयरपॉड्स, एपल वॉच जैसे अन्य प्रोडक्ट्स भी ज्यादातर वियतनाम में बनाए जा रहे हैं।

सप्लाई चेन डायवर्सिफिकेशनः एपल चीन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है। जियोपॉलिटिकल टेंशन, ट्रेड डिस्प्यूट और कोविड-19 लॉकडाउन जैसी दिक्कतों से कंपनी को लगा कि किसी एक क्षेत्र पर ज्यादा निर्भर रहना ठीक नहीं है। इस लिहाज से एपल के लिए भारत एक कम जोखिम वाला ऑप्शन साबित हो रहा है। गवर्नमेंट इंसेंटिवः भारत की मेक इन इंडिया इनिशिएटिव और प्रोडक्शन लिंक्ड इनिशिएटिव स्कीम्स कंपनियों को लोकल मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने के लिए वित्तीय सहायता देती हैं। इन पॉलिसीज ने फॉक्सकॉन और टाटा जैसे एपल के पार्टनर्स को भारत में ज्यादा निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया है। बढ़ती बाजार संभावनाः भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन मार्केट में से एक है। लोकल प्रोडक्शन से एपल को इस मांग को पूरा करने में ज्यादा मदद मिलती है, साथ ही इसकी बाजार हिस्सेदारी भी बढ़ जाती है।

राज-काज

सेंसेक्स 769 अंक चढ़कर 81,721 पर बंद

मुंबई। हफ्ते के आखिरी कारोबार दिन आज यानी शुक्रवार, 23 मई को सेंसेक्स 769 अंक चढ़कर 81,721 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 243 अंक की तेजी रही, ये 24,853 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 28 में तेजी, जबकि दो में गिरावट रही। जोमैटो, पावर ग्रिड, कळउ और बजाज फिनसर्व के शेयरों में 3.5% तक की तेजी रही। नेस्ले इंडिया समेत कुल 14 शेयरों में 1.8% तक की तेजी रही। सनफार्मा और एयरटेल 1.8% तक फिसले। निफ्टी के 50 शेयरों में से 46 में तेजी और 4 में गिरावट रही। ठरए के ऋटउऋइंडेक्स में 1.63%, प्राइवेट बैंक में 1.08%, कळ इंडेक्स में 0.95%, मेटल में 0.76% और रियल्टी में 0.64% की तेजी रही। फार्मा और हेल्थ केयर में मामूली गिरावट रही।एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई करीब 175 अंक ऊपर 37,300 और कोरिया का कोस्पी 2 अंक ऊपर 2,592 के स्तर पर बंद हुआ।

पीए पर 8.25% ब्याज दर को वित्त मंत्रालय की मंजूरी

7 करोड़ कर्मचारियों को ट्रांसफर होगी ब्याज की रकम, 1 लाख पर 8,250 रुपए मिलेंगे

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ढऋ अकाउंट में जमा राशि पर 8.25% ब्याज मिलेगा। वित्त मंत्रालय ने एम्प्लॉइज प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन को इसके लिए मंजूरी दे दी है। अब देश के 7 करोड़ से ज्यादा कर्मचारियों के ढऋ अकाउंट में ब्याज की रकम ट्रांसफर की जाएगी। इससे पहले एढऋह्व के सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टी ने 28 फरवरी को मीटिंग में 8.25% ब्याज दर बरकरार रखने का फैसला किया था। जो पिछले वित्त वर्ष में दी गई दर के बराबर है। इसके बाद इसे वित्त मंत्रालय को मंजूरी के लिए भेजा गया था।

1 लाख पर 8,250 रुपए ब्याज मिलेगा- 8.25% ब्याज दर के हिसाब से अगर आपके एढऋअकाउंट में 1 लाख रुपए जमा हैं, तो इस पर साल में 8,250 रुपए का ब्याज मिलेगा। वहीं ढऋअकाउंट में 1 अप्रैल 2024 तक (वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ओपनिंग बैलेंस) कुल 5 लाख रुपए जमा हैं। ऐसे में आपको 8.25% की ब्याज दर के हिसाब से 5 लाख पर 41,250 रुपए ब्याज के रूप में मिलेंगे।एढऋह्व एक्ट के तहत कर्मचारी की बेसिक सैलरी प्लस ऊअ का 12% ढऋअकाउंट में जाता है। वहीं, कंपनी भी कर्मचारी की बेसिक सैलरी प्लस ऊअ का 12% कॉन्ट्रीब्यूट करती है। कंपनी के 12% कॉन्ट्रीब्यूशन में से 3.67% ढऋ अकाउंट में जाता है और बाकी 8.33% पेंशन स्कीम में जाता है। वहीं कर्मचारी के कॉन्ट्रीब्यूशन का सारा पैसा ढऋअकाउंट में जाता है।1952 में ढऋपर ब्याज दर केवल 3% थी। हालांकि, उसके बाद इसमें बढ़त होती गई। पहली बार 1972 में यह 6% के ऊपर पहुंची। 1984 में यह पहली बार 10% के ऊपर पहुंची। ढऋधारकों के लिए सबसे अच्छा समय 1989 से 1999 तक था। इस दौरान ढऋपर 12% ब्याज मिलता था। इसके बाद ब्याज दर में गिरावट आनी शुरू हो गई। 1999 के बाद ब्याज दर कभी भी 10% के करीब नहीं पहुंची। 2001 के बाद से यह 9.50% के नीचे ही रही है। पिछले सात सालों से यह 8.50% या उससे कम रही है।

सोना 3170 बढ़कर 95471 पहुंचा, चांदी 2303 महंगी होकर 96909 किलो बिक रही

नई दिल्ली। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (क्हखअ) की वेबसाइट के अनुसार पिछले शनिवार यानी 17 मई को सोना 92,301 रुपए पर था, जो अब (24 मई) को 95,471 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 3,170 रुपए बढ़ी है।

वहीं, चांदी की बात करें तो ये पिछले शनिवार को 94,606 रुपए पर थी, जो अब 96,909 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इस तरह इस हफ्ते इसकी कीमत 2,303 रुपए बढ़ी है। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 900,50 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,230 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,080 रुपए है। कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 89,900 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 98,080 रुपए है। चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,080 रुपए है। भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,130 रुपए है।

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 19,309 रुपए बढ़कर 95,471 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 10,892 रुपए बढ़कर 96,909 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

इस साल सोना 3,700 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। इंटरनेशनल रेट के हिसाब से कैलकुलेट करें तो भारत में 10 ग्राम सोने के दाम 1.10 लाख रुपए तक जा सकते हैं। विदेशी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स ने ये अनुमान जारी किया है।

जम्मू में पहलगाम आतंकी हमले के एक महीने पूरे होने पर पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने और भारतीय सशस्त्र बलों के ऑपरेशन सिंदूर की सराहना करने के लिए रंगोली बनाने के बाद छात्र तस्वीरें खिंचवाते हुए।

11 साल में आधे से भी कम घरों-बिल्डिंग में लगा, निगम के पास मॉनिटरिंग बॉडी ही नहीं

राजधानी में रेन-वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की अनिवार्यता का नियम फेल

संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश में 140 वर्ग मीटर या उससे ज्यादा जमीन पर इमारत निर्माण करवाते समय रेन वाटर हार्वेस्टिंग का सिस्टम लगाना अनिवार्य है। इसे लागू करवाने की जिम्मेदारी शहरों के नगर निगमों के पास है। इसके लिए नगर निगम इमारत निर्माताओं से कुछ डिपॉजिट राशि लेता है। ताकि सिस्टम लगवाने के बाद इमारत निर्माता आवेदन कर पैसे वापस ले सके। वहीं, इमारत में सिस्टम का निर्माण नहीं होने पर निगम की जिम्मेदारी है कि इमारत मालिक के खर्च पर सिस्टम लगवाए। लेकिन प्रदेश की राजधानी भोपाल नगर पालिका निगम के पास इसकी जांच के लिए कोई मॉनिटरिंग बॉडी नहीं होने के चलते न तो इमारतों में सिस्टम लगता है, और न ही लोगों के पैसे वापस मिलते है। रेन वाटर हार्वेस्टिंग बारिश के पानी को इकट्ठा करने वाला एक सिस्टम है। ताकि वर्षा जल बर्बाद होने के बजाय भविष्य में इस्तेमाल किया जा सके।

निर्माण

7 हजार से 15 हजार तक की डिपॉजिट राशि लेता है निगम

भोपाल नगर निगम के सामान्य प्रशासन विभाग के नोटिस के मुताबिक 27 अक्टूबर 2009 से लागू नियम म.प्र भूमि विकास नियम 1984 की धारा 78(4) के तहत पारित हुआ है। इसके मुताबिक निगम जमीन के आकार के मुताबिक हार्वेस्टिंग सिस्टम के लिए डिपॉजिट राशि जमा करवाता है। ये राशि नगर निगम में नक्शा पास कराने के समय ली जाती है। वहीं, जिन लोगों ने पहले ही नक्शा पास करवा लिया है या 140 वर्ग मीटर से कम में निर्माण किया है, उन्हें ये शुल्क नहीं देना है।

जमीन के आकार के हिसाब से राशि लेता है निगम

● 140 से 200 वर्ग मीटर - 7,000 रुपए ● 200 से 300 वर्ग मीटर - 10,000 रुपए ● 300 से 400 वर्ग मीटर - 12,000 रुपए ● 400 वर्ग मीटर से अधिक - 15,000 रुपए

15 हजार वर्गमीटर की इमारतों से 11 साल में 9 करोड़ कमाए निगम ने

नगर निगम से सिर्फ साल 2014 से अबतक 15 हजार वर्ग मीटर में पास की जाने वाली इमारतों का डेटा मिला है। इसके मुताबिक निगम ने 6 हजार इमारतों की डिपॉजिट राशि ली है। यानी अगर 400 वर्ग मीटर से अधिक वाली इमारतों से 15 हजार डिपॉजिट लिए गए तो निगम के पास 9 करोड़ रुपए आए हैं। हालांकि साल 2009 से 140 वर्ग मीटर से ज्यादा जमीन वाला डेटा उपलब्ध नहीं है। इसके चलते 16 साल से मॉनिटरिंग बॉडी ना होने से निगम द्वारा करोड़ों रुपए कमाने का अनुमान है।

हर महीने 2 करोड़ रुपए तक कमाए - वहीं, पर्यावरण विशेषज्ञ ब्रजेश नामदेव के मुताबिक शहरी क्षेत्र में वाटर हार्वेस्टिंग का ड्रेन पाइप मेथड सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा बड़ी जमीनों पर 4x4 के गड्ढे के जरिए सिस्टम तैयार करते हैं। भोपाल में लगभग 50 हजार सिस्टम लगे हैं। उसमें में भी कई सारे सिस्टम बंद हैं। क्योंकि निगम के पास कोई मॉनिटरिंग बॉडी नहीं है। ऐसी स्थिति में शहर में इमारतों की निमार्ण कार्य की प्रगति को देखते हुए निगम के पास हर महीने 2 करोड़ का डिपॉजिट आता होगा।

सालभर में सिर्फ 5-6 लोगों की डिपॉजिट राशि वापस होती है

उधर, हाउस अप्रूवल डिपार्टमेंट के कर्मचारियों से लेकर नगर निर्देशक अनिल गोयल तक ने कहा कि निगम की जिम्मेदारी सिर्फ डिपॉजिट लेने तक की है। आवेदक इसके बाद अगर डिपॉजिट वापस करता है। तो निगम की एक टीम इमारत में जांच के लिए जाती है। बता दें, साल भर में ऐसे 5-6 केस ही हैं, जिसमें आवेदक ने डिपॉजिट की मांग की हो।

कई इलाकों में हर घर में 1-2 ट्यूबवैल के गड्ढे.

पर्यावरण विशेषज्ञ ब्रजेश नामदेव ने बताया कि साल 2002 में ग्राउंड वाटर 100-150 फीट पर मिल जाता था। लेकिन अब भोपाल में ग्राउंड वाटर 800-1000 फीट पर भी नहीं मिलता। इसका कारण है कि लोगों ने अपने घरों और जमीनों में कई सारे ट्यूबवैल लगवाए हैं। वहीं, भोपालवासी और निगम शहर में वर्षा जल को भी बचाने में नाकाम हैं। इसके चलते लगातार ग्राउंड वाटर खत्म हो रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक नगर निगम ने शहर में सिर्फ 200 ट्यूबवेल की स्वीकृति दी है। हालांकि अरेरा हिल्स, रोहित नगर समेत कई इलाकों में लगभग हर घर में 1-2 ट्यूबवैल लगे हैं। मामले पर नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने कहा कि इस पूरे सिस्टम को बेहतर तरीके से तैयार करने के निगम को आदेश दिए जाएंगे। ताकि कानून पालन करने में आ रही दिक्कतें खत्म हो सके। नगर निगम उपभोक्ता को तकनीकी सहयोग भी देने का काम करेगा। साथ ही उन्होंने शहरवासियों से रेन वाटर सिस्टम लगवाने का आग्रह किया।

शॉर्ट न्यूज

मेहंदी रचाकर बेच रही थी नशे का सामान

अशोकनगर। मध्यप्रदेश के अशोकनगर जिले में सिटी कोतवाली पुलिस की टीम ने पांच लाख रुपये कीमत की स्मैक के साथ महिला को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि महिला के ऊपर पूर्व में भी कई मामले दर्ज हैं। जानकारी के मुताबिक अशोकनगर सिटी कोतवाली पुलिस ने एक महिला को स्मैक के साथ रंगेहाथों पकड़ने में सफलता प्राप्त की है और महिला के कब्जे से प्राप्त स्मैक की कीमत तकरीबन पांच लाख रुपए आंकी जा रही है। पुलिस के मुताबिक पकड़ी गई महिला आदतन इस अवैध धंधे में लिप्त है और पूर्व में भी उस पर कार्यवाही हो चुकी है। बता दें कि अशोकनगर में अवैध स्मैक का कारोबार फैलता जा रहा है। युवा पीढ़ी इस जानलेवा नशे के चंगुल में फंसकर अपना जीवन बर्बाद कर रहे हैं। पुलिस लंबे समय से स्मैक कारोबारियों को पकड़ने का जाल बिछा रही थी।

मध्य प्रदेश में जारी रहा बारिश का दौर

भोपाल। मध्य प्रदेश में कई सिस्टम एक्टिव होने से लगातार बारिश आंधी का दौर चल रहा है। जिस वजह से तापमान में काफी गिरावट आई है। शुक्रवार को मई महीने में लगातार ये 23वां दिन रहा जब मौसम बदला रहा। रतलाम में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई साथ ही ओले भी गिरे। जबकि उमरिया, छिंदवाड़ा और गुना में भी आंधी-बारिश का दौर रहा। रीवा के तापमान में 5.2 डिग्री की गिरावट आई। यहां का अधिकम तापमान 36.6 डिग्री दर्ज किया गया। राजधानी भोपाल में बादल छाए रहे। शुक्रवार को प्रदेश में गर्मी से राहत मिली भोपाल में 36 डिग्री, इंदौर में 34.4 डिग्री, उज्जैन में 39.7 डिग्री और जबलपुर में पारा 38.2 डिग्री दर्ज किया गया। सीधी में 32.2 डिग्री, मलाजखंड में 34 डिग्री, बैतूल-सिवनी में 34.2 डिग्री रहा। खजुराहो, नौगांव, टीकमगढ़, गुना और शिवपुरी ही ऐसे शहर रहे, जहां पारा 41 डिग्री या इससे अधिक रहा।

117 करोड़ की लागत के 50 विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण

नगर परिषद के रूप में विकसित होगा भिंड क्षेत्र : सीएम यादव

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लहार में नया औद्योगिक केंद्र स्थापित करने की घोषणा की है। इसके साथ ही मछण्ड और असवार क्षेत्र को नगर परिषद बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में उद्योगों को बढ़ावा देकर युवाओं को रोजगार से जोड़ा जा रहा है। दूसरी ओर किसानों की आय बढ़ाने के लिए किसान और कृषि हित में अनेक निर्णय लिए गए हैं। किसान को फसलों का उचित दाम मिले और फसल बर्बाद न हो, इसके लिए प्रदेश में कृषि आधारित उद्योग स्थापित करने की दिशा में प्रयास हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को भिंड जिले के लहार में महिला स्व-सहायता समूह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

लोकार्पण

भिंड के युवाओं का पराक्रम सराहनीय - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने शौर्य की गाथा लिखी है। भिंड के घर-घर से निकले जवान मां भारती की रक्षा में सीमाओं पर तैनात हैं। चंबल की धरती के सपूत लंबे समय से बॉर्डर पर दुश्मन का खात्मा करते आ रहे हैं। लहार का गौरवशाली अतीत महाभारत काल से भी जुड़ता है। ऐसा माना जाता है कि लहार में ही पांडवों के खिलाफ षड्यंत्र रचते हुए लाक्षागृह बनवाया गया था। भिंड वो धरती है, जहां कभी किसी के साथ अन्याय नहीं हो सकता है। वो दिन लद गए जब चंबल क्षेत्र में दस्युओं का डर दिखाकर लोगों पर अत्याचार होते थे। अब भिंड की जनता ने परिवर्तन का रास्ता चुना है। मध्यप्रदेश सरकार चंबल क्षेत्र के विकास के लिए पूरी तरह संकल्पित है। यहां जनता का प्रेम और आत्मीयता से मन भाव-विभोर है।

आलमपुर कॉलेज का नामकरण लोकमाता देवी अहिल्याबाई के नाम पर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई का 300वां जयंती वर्ष चल रहा है। भिंड जिले के आलमपुर का कॉलेज अब लोकमाता देवी अहिल्याबाई के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भिंड में विकास को गति प्रदान करते हुए 117 करोड़ रुपए से अधिक लागत के 33 विकास कार्यों का भूमिपूजन और 17 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश का सिंचित क्षेत्र वर्तमान में 55 लाख हेक्टेयर है, इसे निकट भविष्य में 100 लाख हेक्टेयर तक लेकर जाएंगे। सिंचाई का रकबा बढ़ाने के लिए नदी जोड़ो परियोजनाओं पर कार्य हो रहा है। राजस्थान के साथ पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी परियोजना को 40 साल बाद मंजूरी मिली है। लगभग 70 हजार करोड़ की लागत से इस परियोजना का कार्य जारी है। इसी प्रकार पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी के सपने को पूरा करते हुए केंद्र सरकार की सहायता से केन-बेतवा लिंक परियोजना की नींव रखी गई है। बुंदेलखंड के कई जिले इससे लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के किसान की समृद्धि और जीवन सरल बनाने के लिए 5 रुपए में स्थायी बिजली कनेक्शन और 30 लाख सोलर पंप प्रदान करने की शुरुआत की गई है।

अस्पताल भेजने वाले को मिलेगा ईनाम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए अनेक जनहितैषी निर्णय लिए हैं। इनमें राहवीर योजना शामिल है। अब सड़क हादसों के घायलों को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को 25 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि मिलेगी। इसके साथ ही प्रदेश में गंभीर बीमारियों के पीड़ितों को एयर एम्बुलेंस का लाभ दिया जा रहा है। अब गरीब के परिवार के किसी व्यक्ति की अस्पताल में मृत्यु हो जाए तो सरकार ने पार्थिव शरीर घर पहुंचाने के लिए नि:शुल्क शव वाहन की व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं के तहत हितलाभ भी वितरित किये। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश को स्वर्णिम राज्य बनाने का लक्ष्य रखा है। सांसद संध्या राय ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लहार क्षेत्र की जनता को अनेक विकास कार्यों की सौगात दी है। लहार विधायक अमरीश शर्मा ने विकास के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त किया।

'मेरी भाषाई भूल थी'

एमपी के मंत्री विजय शाह ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर मांगी माफी

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश सरकार के वरिष्ठ और विवादित मंत्री कुंवर विजय शाह ने अपने अभद्र भाषण के बाद सोशल मीडिया पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हुए एक वीडियो संदेश जारी किया है। इस वीडियो में उन्होंने खुद को "भाषाई भूल" का दोषी मानते हुए कहा कि उनका उद्देश्य किसी भी धर्म, जाति या समुदाय को ठेस पहुंचाना नहीं था। उनके इस बयान से पहले उनके एक भाषण का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया था।

विजय शाह ने अपने वीडियो में कहा, "जय हिंद।' पिछले दिनों पहलगाम में हुए जघन्य हत्याकांड से मैं मन से बहुत दुखी एवं विचलित हूँ। मेरा राष्ट्र के प्रति अपार प्रेम और भारतीय सेना के प्रति आदर एवं सम्मान हमेशा रहा है। मेरे द्वारा कहे गये शब्दों से समुदाय, धर्म, देशवासियों को दुख पहुँचा है। यह मेरी भाषाई भूल थी। मेरा उद्देश्य किसी को ठेस पहुँचाने का नहीं था।" उन्होंने आगे कहा कि वे पूरी भारतीय सेना, बहन कर्नल सोफिया और समस्त देशवासियों से हाथ जोड़कर क्षमा मांगते हैं।

अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया विपक्ष मांग रहा है इस्तीफा - विजय शाह के बयान से पहले, सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में उनके भाषण की कड़ी आलोचना की जा रही थी। विपक्षी दलों ने इसे असंवेदनशील और देशविरोधी बताया और उनके इस्तीफे की मांग की है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि "एक जिम्मेदार मंत्री का इस तरह का बयान न केवल सेना का अपमान है, बल्कि देश की सामाजिक एकता के लिए भी खतरा है। यदि उनमें नैतिक जिम्मेदारी है तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए।" इस पूरे विवाद के बीच विजय शाह की माफी को कुछ हलकों में ईमानदारी से लिया गया है, जबकि अन्य इसे राजनीतिक दबाव के चलते दिया गया 'डैमेज कंट्रोल' करार दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी इस मुद्दे पर तीखी बहस छिड़ गई है, जहाँ कुछ लोग मंत्री के माफीनामे को स्वीकार कर रहे हैं, तो कई यूजर्स इसे अपर्याप्त मानते हुए कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह द्वारा सेना अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई विवादास्पद टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। कोर्ट ने उनकी माफी को अस्वीकार करते हुए इसे "घड़ियाली आँसू" करार दिया था और कहा कि "पूरा देश आपके बयान से शर्मिंदा है"। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की जांच के लिए तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों की एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित करने का आदेश दिया है, जिसमें एक महिला अधिकारी भी शामिल हैं। कोर्ट ने मध्य प्रदेश पुलिस महानिदेशक को निर्देश दिया है कि वे 28 मई तक एसआईटी की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। हालांकि, कोर्ट ने विजय शाह की गिरफ्तारी पर फिलहाल रोक लगा दी है, लेकिन उन्हें जांच में सहयोग करने का आदेश दिया है।

अब नागदा में लव जिहाद

7 युवकों के मोबाइल और पेन ड्राइव से मिले अश्लील फोटो और वीडियो

संवाददाता ● उज्जैन

मध्य प्रदेश में लव जिहाद के उजागर हो रहे मामले के बाद पुलिस महकमा सर्तक हो गया है। लव जिहाद का एक मामला पुलिस ने नागदा में उजागर किया है। इसमें कुछ युवतियों को प्रेम जाल में फंसाकर उनका शोषण करते थे तथा अश्लील वीडियो बनाकर उन्हे ब्लैकमेल करते थे। इस पूरे मामले में सात युवाओं के नाम सामने आए हैं। यह युवा चार युवतियों को बहला फुसलाकर उनका फोटो व वीडियो बनाकर उन्हें ब्लेकमेल कर उनका शोषण कर रहे थे।

जूना नागदा रोड के समीप स्थित इन्द्रा कॉलोनी के युवा सोहेल उर्फ वासिद पिता अजीज (22), सुफियान पिता सलीम सिलावट (21), उस्मान पिता सलीम लखारा (19), तोहिद, वीरू पिता देवीलाल सिलावट तथा अरुण पिता मुकेश वर्मा पिछले कुछ वर्षों से क्षेत्र की रहने वाली चार युवतियों का शोषण कर रहे थे। इन चारों युवकों ने पहले युवतियों से दोस्ती की फिर बाद में उनका वीडियो व फोटो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल करने लगे। पुलिस ने इन युवकों के मोबाइल चेक किए तो उनमें कई तरह के अश्लील वीडियो व फोटो सामने आए। इसको देख पुलिस दंग रह गई। पुलिस ने इस पूरे मामले में सुफियान पर तीन अपराध धारा 376 (2), 376(3), 376, 506,64 (2), 70(1), 351(3), 3(5), 66 में प्रकरण दर्ज किया है। इसी प्रकार इमरान पर दो, सोहेल पर दो तथा तोहिद, वीरू व अरूण पर एक एक प्रकरण दर्ज किया है। इनमें से एक आरोपी अरुण फरार है शेष आरोपी पुलिस गिरफ्त में हैं। नागदा पुलिस की इस सफलता पर उज्जैन एसपी ने नागदा पुलिस को 10 हजार का इनाम भी दिया है। पांच आरोपियों को पुलिस वारदात स्थल पर भी ले गई। पुलिस ने पैदल ले गई जिससे देखने वालों की भी भीड़ लग गई।

भाजपा की नई चुनौती

'राष्ट्रवाद' पर अपनों के बयानों का अटैक, बैकफुट पर पार्टी!

संवाददाता ● भोपाल

भारत-पाक तनाव के बीच जब केंद्र सरकार राष्ट्रवाद की भावनाओं को मजबूत कर देशभर में एकजुटता का संदेश दे रही थी, उसी वक्त भाजपा के अपने नेता विवादास्पद बयानों से पार्टी की रणनीति को कमजोर करते नजर आए। मध्य प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री विजय शाह ने जनसभा में कहा कि "हम पाकिस्तान से लड़ने की हालत में नहीं हैं", जिससे सरकार की तैयारियों पर सवाल उठने लगे। इसके बाद उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि "सेना के हर जवान प्रधानमंत्री मोदी के चरणों में नतमस्तक है", जिसने सेना की पेशेवर छवि को राजनीतिक रंग देने का विवाद खड़ा कर दिया। सोशल मीडिया पर इन बयानों की तीखी आलोचना हो रही है और विपक्ष को भाजपा पर हमला करने का मौका मिल गया है। पार्टी नेतृत्व इन बयानों से असहज है और डैमेज कंट्रोल में जुटा है। जिस वक्त केंद्र सरकार भारत-पाकिस्तान तनाव को राष्ट्रवाद की नई स्क्रिप्ट बनाकर देश के कोने-कोने में मजबूत संदेश देने की तैयारी में थी, उसी वक्त भाजपा के कुछ नेता अपने बेतुके और विवादास्पद बयानों से पार्टी को बैकफुट पर ला खड़ा कर रहे हैं। विपक्ष को घेरने की रणनीति उल्टी पड़ती दिख रही है और वो भी अपने ही नेताओं की वजह से।

चुनौती

भाजपा नेतृत्व मौन, विपक्ष हमलावर

भाजपा हाईकमान इन बयानों से परेशान है लेकिन कोई स्पष्ट कार्रवाई नहीं कर रहा। शायद इसलिए कि ये नेता पार्टी के पुराने और मजबूत चेहरे हैं। लेकिन विपक्ष ने इन बयानों को हथियार बना लिया है। कांग्रेस ने सीधा हमला बोला है–"जब अपने ही नेता सेना का मजाक बना रहे हैं, तो फिर पाकिस्तान की क्या जरुरत है?"

विजय शाह से जो शुरू हुआ मामला

इस पूरे सिलसिले की शुरुआत हुई मध्य प्रदेश सरकार में वरिष्ठ मंत्री विजय शाह से। उन्होंने हाल ही में एक जनसभा में कुछ ऐसा कह दिया, जिससे केंद्र की पाकिस्तान नीति और कूटनीतिक रणनीति की गंभीरता पर सवाल उठ गया। बयान कुछ यूं था कि "हम पाकिस्तान से लड़ने की हालत में नहीं हैं, अभी हमारे पास संसाधन और तैयारी पूरी नहीं है।" यह बयान ऐसे वक्त में आया जब दिल्ली से लेकर सीमा तक सरकार "हमला नहीं, जवाबी पराक्रम" की नीति को दुनिया में प्रोजेक्ट कर रही थी। लेकिन मामला यहीं नहीं रुका।

किसी के ऊपर कूद पड़ी जाह्नवी

जाह्नवी ने बताया क्या हुआ जब पता चला 'होमबाउंड' दिखाई जाएगी कान में

जाह्नवी कपूर इस समय काफी प्राउड फील कर रही हैं क्योंकि उनकी अपकमिंग फिल्मेहेप होमबाउंड की स्पेशल स्क्रीनिंग थी कान फिल्म फेस्टिवल में। इतना ही नहीं फिल्म को स्टैंडिंग ओवेशन भी मिला था। अब जाह्नवी ने बताया कि जब उन्हें पता चला कि उनकी फिल्म को एक्सेप्ट कर लिया है कान की स्क्रीनिंग के लिए तो उनका क्या रिएक्शन था। जाह्नवी ने द गॉलीवुड रिपोर्टर को दिए इंटरव्यू में कहा कि वह काफी अच्छा महसूस कर रही हैं और खुद को खुशनसीब मानती हैं कि वह फिल्म का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे याद है कि मेरे पास फोन आया और उन्होंने कहा कि मुझे ईमेल आया है, हमें एक्सेप्ट कर लिया है। हमें इस कैटेगरी में सेलेक्ट कर लिया है। जैसे ही मुझे यह पता चला मैं किसी के ऊपर कूद गई थी और चिल्लाने लगी थी।' जाह्नवी ने यह भी कहा कि फिल्म के डायरेक्टर नीरज घेवान काफी सपोर्टिव रहे हैं कास्ट और क्रू के साथ और उनके सेट पर ऐसा महौल रहता था जो आज तक उन्हें देखने को मिला। वो बेस्ट माहौल था। मैं बता नहीं सकती कि सेट पर होना मेरे लिए कितना अच्छा हीलिंग प्रोसेस था। बता दें कि होमबाउंड को 9 मिनट का स्टैंडिंग ओवेशन मिला था। इस दौरान करण जौहर भी इमोशनल हो गए थे जो फिल्म के प्रोड्यूसर थे। फिल्म में जाह्नवी के साथ ईशान खट्टर और विशाल जेठवा लीड रोल में हैं। कान फिल्म फेस्टिवल के मुताबिक फिल्म में 2 बचपन के दोस्तों के बारे में बताया गया है जो छोटे गांव से हैं और अपने सपने को पूरा करना चाहते हैं, लेकिन जैसे ही वे इसके करीब पहुंचते हैं तभी उनकी लाइफ में जबरदस्त ट्विस्ट और टर्न्स आते हैं। जाह्नवी ने इस दौरन यह भी कहा कि वह अपनी मां श्रीदेवी को काफी मिस कगर रही हैं। वह खुश हैं कि इस दौरान उनके पिता बोनी कपूर और बहन खुशी उनके साथ थे, लेकिन मां को वह मिस कर रही थीं। जाह्नवी ने कहा, पहली बार ऐसा हुआ कि हम कान से वापस आए, लेकिन मां साथ नहीं थीं।

पत्नी पत्रलेखा से तमीज से बात नहीं करता था कुक

राजकुमार राव ने नौकरी से निकला, कहा था- 'आप बैग पैक करो और जाओ'

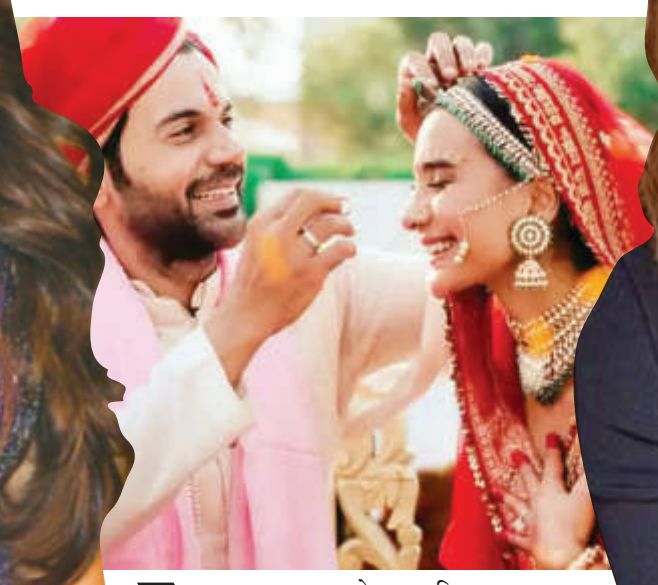

एक्टर राजकुमार राव ने बताया कि उनका एक कुक उनकी पत्नी से ठीक से बात नहीं करता था। इसलिए उन्होंने उसे नौकरी से निकाल दिया था। हाल ही में राजकुमार राव कॉमेडियन रौनक राजानी के यूट्यूब शो में नजर आए। इस शो में उनके साथ कॉमेडियन अबीश मैथ्यू और उरूज अशफाक भी मौजूद थे। दरअसल, बातचीत के दौरान रौनक ने बताया कि उनका पांच साल पुराना कुक उनकी पत्नी की इज्जत नहीं करता, लेकिन वो उसे निकाल नहीं पा रहे। इस पर राजकुमार ने भी अपना निजा किस्सा शेयर किया। राजकुमार राव ने कहा, "हमारे पास एक कुक था, उम्र रही होगी करीब 48 साल। खाना गजब का बनाता था। पहली बार मैंने वेज मैक्सिकन डिश खाई थी और बहुत पसंद आई थी।" राजकुमार राव ने आगे बताया, "दो दिन बाद पत्रलेखा (राजकुमार राव की पत्नी) ने कहा कि ये इंसान मुझसे ठीक से बात नहीं करता। मुझे कुछ गड़बड़ लगी। तीसरे दिन जब पत्रलेखा ने उससे कुछ पूछा, तो उसने अजीब सा मुंह बनाया। मुझसे तो बड़े अदब से बात करता थ, लेकिन मैंने उसे बुलाया और कहा, 'आप अपना बैग पैक कीजिए और चले जाइए।'" शो में मौजूद लोगों ने राजकुमार की इस बात पर तालियां बजाईं। रौनक ने मजाक में कहा, "अगर मेरा कुक सेक्सिस्ट है, तो मैं उसे सुधार नहीं सकता। बस इतना है कि खाना अच्छा बनाता है, इसलिए रख लिया है।" इस पर राजकुमार ने रौनक की पत्नी के लिए हमदर्दी जताई और कहा कि काश वो उनसे बात कर पाते। फिलहाल राजकुमार अपनी नई फिल्म 'भूल चूक माफ' के प्रमोशन में व्यस्त हैं, जिसमें वमिका गाबी भी नजर आएंगी। फिल्म थिएटर्स में दो हफ्ते चलेगी, इसके बाद प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। राजकुमार राव और पत्रलेखा ने नवंबर 2021 में शादी की थी। 'भूल चूक माफ' से पहले राजकुमार 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो', 'स्त्री 2', 'मिस्टर एंड मिसेज माही' और 'श्रीकांत' में नजर आए थे। वहीं, हाल ही में पत्रलेखा की 'फुले' मूवी रिलीज हुई थी।

निकिता दत्ता हुईं कोरोना की शिकार

भारत में कोरोना वायरस के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ रहे हैं। रोजाना कई लोग इस वायरस की चपेट में आ रहे हैं। बॉलीवुड भी इससे बच नहीं पाया है। हाल ही में शिल्पा शिरोडकर कोरोना पॉजिटिव हुईं थीं और अब एक और एक्ट्रेस इसकी चपेट में आ गई हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस निकिता दत्ता कोरोना पॉजिटिव हो गई हैं। निकिता के साथ उनकी मां भी इसकी शिकार हुई हैं। इस बारे में निकिता ने खुद जानकारी दी है। निकिता ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके अपने कोविड पॉजिटिव होने की जानकारी दी है। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर करके बताया है कि वो और उनकी मां इस वायरस की चपेट में आ गए हैं। निकिता ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने लिखा- 'कोविड मुझे और मेरी मां को हैलो कहने आ गया है। उम्मीद करती हूं ये बिन बुलाया मेहमान ज्यादा दिन तक ना रहे। शॉर्ट क्वारंटीन के बाद आपसे मिलते हैं। सभी लोग सुरक्षित रहें।' बता दें निकिता इस समय अपने घर पर क्वारंटीन हैंय उन्हें हल्के लक्षण हैं लेकिन उन्होंने अपने काम और वर्क कमिटमेंट को ठीक होने तक रोक दिया है। हाल ही में बिग बॉस 18 फेम शिल्पा शिरोडकर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके चौंका दिया था। शिल्पा ने अपने कोरोना पॉजिटिव होने की जानकारी दी थी। उन्होंने लिखा था- 'हैलो दोस्तों, मैं कोरोना पॉजिटिव हूं। सुरक्षित रहें और अपना मास्क पहनें।' हालांकि गुरुवार को शिल्पा ने फैंस को एक अच्छा अपडेट दिया था। उन्होंने कहा था कि वो पूरी तरह से रिकवर कर गई हैं। उन्होंने लिखा - फाइनली रिकवर कर गई हूं। अच्छा महसूस कर रही हैं। आप सभी के प्यार के लिए शुक्रिया। वर्कफ्रंट की बात करें तो निकिता हाल ही में सैफ अली खान और जयदीप अहलवात के साथ ज्वेल थीफ में नजर आईं थीं। ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। फिल्म को मिक्स रिव्यू मिले हैं।

इकलौता एक्टर जिसकी 8 फिल्मों में एक चीज रही कॉमन

यही बनी उनकी पहचान, नाम की तरह है सुपरस्टार का काम

पिछले 3 दशकों से ये बॉलीवुड एक्टर लगातार फिल्मों में काम करते नजर आ रहे हैं जो आज एक सदाबहार स्टार की लिस्ट में शामिल हो चुके हैं। उन्हें उनकी एक्टिंग से ज्यादा फिटनेस के लिए भी जाना जाता है और उनके चाहने वाले उन्हें खिलाड़ी कुमार से बुलाते हैं। परेश रावल के साथ कई सुपरहिट फिल्मों में नजर आ चुके इस सुपरस्टार के साथ कई एक्ट्रेस ने अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत थी, जिसमें मानुषी छिल्लर, मौनी रॉय, लारा दत्ता, बिपाशा बसु और तृषा कृष्णन जैसी हसीनाओं का नाम शामिल है। यह सुपरस्टार अब तक एक्शन से लेकर कॉमेडी सहित कई तरह की फिल्मों में अपनी एक्टिंग का दमखम दिखा चुके हैं। हम बात कर रहे हैं अक्षय कुमार की, जिन्हें आज 'खिलाड़ी कुमार' के अलावा प्यार से लोग 'अक्की' भी कहते हैं। तस्वीर में अपनी फिटनेस दिखा रहे अक्षय कुमार है, जिन्होंने अपनी मेहनत और किस्मत के दम पर हिंदी सिनेमा में खूब नाम कमाया है। 'हेरा फेरी' एक्टर अक्षय की आठ फिल्मों के नाम में 'खिलाड़ी' शब्द है, जिसने उन्हें ये खास पहचान दी। जी हां, उनकी इन फिल्मों ये शब्ध कॉमन था, जिसने उन्हें 'खिलाड़ी कुमार' बना दिया। 'खिलाड़ी' (1992), 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' (1994), 'बड़ा खिलाड़ी' (1995), 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' (1996), 'मिस्टर एंड मिसेज खिलाड़ी' (1997), 'इंटरनेशनल खिलाड़ी' (1999), 'खिलाड़ी 420' (2000), और 'खिलाड़ी 786' (2012) शामिल है। आज वो जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने में उन्हें काफी मेहनत लगी है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। उनकी किस्मत भी चमकी और एक्टर की जिंदगी में एक दिन ऐसा आया जब अक्षय को एक विज्ञापन शूट के लिए बेंगलुरु जाना था, लेकिन उनकी फ्लाइट मिस हो गई। दुखी होने की बजाय, उन्होंने उस खाली वक्त का सदुपयोग किया और एक फिल्म प्रोड्यूसर के ऑफिस पहुंच गए। वहां उनकी किस्मत पलट गई और उन्हें फिल्म 'दीदार' में लीड रोल मिल गया। फिर क्या था उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और दिन दुगनी रात चौगुनी तरक्की करने लगे। अक्षय ने 1991 में फिल्म 'सौगंध' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। 'हाउसफुल', 'केसरी' और 'ओएमजी' जैसी फिल्मों से तहलका मचा चुके अक्षय कुमार जल्द ही 'भूत बंगला', 'हॉउसफुल 5', 'वेलकम टू द जंगल' और 'जॉली एलएलबी 3' में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा एक्टर अपनी सुपरहिट कॉमेडी फिल्म 'हेरी फेरी 3' को लेकर भी चर्चा में हैं, जिसके पहले दो सीक्वल में परेश रावल और सुनील शेट्टी भी साथ दिखाई दिए थे।

रेड कारपेट पर आलिया की दूसरी झलक

बॉलीवुड की चमकती सितारा आलिया भट्ट ने कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में अपने डेब्यू से धूम मचा दी है। पहली बार रेड कार्पेट पर पीच फ्लोरल गाउन में उतरीं आलिया ने अपने दूसरे लुक से भी सबको हैरान कर दिया। वहीं दूसरे लुक में वो वह ब्लैक अरमानी प्रिवी गाउन में रॉयल अंदाज में नजर आईं, जिसमें उनकी खूबसूरती ने हर किसी को हैरान कर दिया। आलिया का दूसरा लुक रिया कपूर ने स्टाइल किया था, जिसमें वह नीले जेमस्टोन्स से सजे चमकदार ब्लैक गाउन में दिखीं। यह गाउन स्लीक और एलिगेंट था, जिसके ऊपरी हिस्से में नीले रंग के जेम्स और बाकी हिस्से में छोटे-छोटे चमकीले स्टोन्स जड़े थे। इस गाउन ने आलिया को शाही अंदाज दिया, जो रेड कार्पेट पर बिल्कुल परफेक्ट लग रहा था। आलिया ने अपने इस लुक को नीले जेम्स वाले इयररिंग्स और एक शानदार डायमंड रिंग के साथ पूरा किया। खास बात यह थी कि उन्होंने एक मैचिंग हेडपीस भी पहना, जो उनके लुक को और निखार रहा था। मेकअप में आलिया ने न्यूड लुक चुना, जिसमें न तो बोल्ड लिपस्टिक थी और न ही हेवी मेकअप। उनकी सादगी और नैचुरल खूबसूरती ने फैंस का दिल जीत लिया सोशल मीडिया पर फैंस ने लिखा, 'आलिया का यह लुक कान्स में भारत का गर्व है!' एक अन्य फैन ने कहा, 'न्यूड मेकअप में भी आलिया की चमक कमाल की है।' आलिया का यह कान्स डेब्यू उनके लॉरियल पेरिस की ब्रांड एंबेसडर के रूप में ग्लोबल मौजूदगी को भी रेखांकित करता है। आलिया भट्ट के प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें तो इस वक्त वो संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर की शूटिंग कर रही हैं। इस फिल्म में एक्ट्रेस के साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल दिखाई देंगे। इसके अलावा आलिया स्पाई यूनिर्वस का भी हिस्सा बनने वाली हैं। इस मूवी का नाम है अल्फा है। इस मूवी में उनके साथ वामिका गब्बी हैं।

माला बेचने वाली मोनालिसा बनीं मॉडल

दिखाए इंटरनेशनल तेवर, ग्लैमरस लुक देख बोले लोग- दीपिका भी फेल

प्रयागराज में हुए महाकुंभ 2025 ने कई लोगों सोशल मीडिया सनसनी बना दिया। इसी महाकुंभ में एक माला बेचने वाली लड़की की भी किस्मत चमक गई और ये महाकुंभ की वायरल गर्ल मोनालिस बन गईं। सांवले रंग और नीली कजरारी आंखों के चलते मोनालिसा भोसले चर्चा में आ गईं। उनके एक वायरल वीडियो ने उन्हें स्टार बना दिया और उन्हें बॉलीवुड से फिल्मों को ऑफर आने लगे। सोशल माडिया पर खूब एक्टिव रहने वाली मोनालिसा अब फिल्मी दुनिया में आ गई हैं। पहली फिल्म से पहले ही उन्होंने एक म्यूजिक वीडियो में भी काम कर लिया है, जिसकी काफी चर्चा भी रही है। इसके अलावा वो मॉडलिंग की दुनिया में भी अपना हाथ आजमा रही हैं। आपने मोनालिसा को अब तक कई अलग-अलग लुक्स में देखा होगा, कभी देसी अंदाज में तो कभी मॉडर्न लुक में, लेकिन उनका हालिया ट्रांसफॉर्मेशन देखकर यकीन करना मुश्किल हो जाएगा कि ये वही मोनालिसा हैं। इस बार उनका अंदाज इतना ग्लैमरस और एलिगेंट है कि वो टॉप बॉलीवुड एक्ट्रेसेज को भी कड़ी टक्कर देती नजर आ रही हैं। ब्लैक सूट और डायमंड नेकलेस में सजी मोनालिसा के इस नए लुक ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। उनकी मेकअप और स्टाइलिंग इतनी परफेक्ट है कि वो किसी इंटरनेशनल सुपरमॉडल जैसी लग रही हैं। उन्होंने अपने लुक को वेट हेयर के साथ कंप्लीट किया है और मेकअप काफी सटल है। ऐसा लग रहा है कि ये शूट किसी बड़े ब्रांड के लिए किया गया है, हालांकि इस बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन तस्वीरें साफ बताती हैं कि मोनालिसा ने एक बड़े लेवल का प्रोजेक्ट हाथ में लिया है।

लड़की संग रात गुजारने की 'गंदी' डिमांड कर पछताया ये एक्टर

बॉलीवुड में कई दिग्गज हस्तियों पर कास्टिंग काउच के आरोप लग चुके हैं। कई फिल्म मेकर्स और एक्टर्स इसकी चपेट में आ चुके हैं। कभी बॉलीवुड का फेवरेट विलेन कहलाने वाले एक एक्टर पर भी कास्टिंग काउच का आरोप लग चुका है। एक स्टिंग ऑपरेशन के बाद खुलासा हुआ था कि उन्होंने काम देने के बदले एक लड़की से घटिया और शर्मनाक डिमांड की थी। ये एक्टर और कोई नहीं, बॉलीवुड फिल्मों में अपने दमदार विलेन रोल्स के लिए जाने जाने वाले शक्ति कपूर हैं। जिनका साल 2005 में एक ऐसा वीडियो सामने आया था जिसने सबके होश उड़ा दिए थे। ये एक स्टिंग वीडियो था जिसमें शक्ति कपूर एक लड़की से उसके साथ रात गुजारने की मांग करते दिखे थे। इस एक वीडियो ने एक्टर के करियर पर ग्रहण लगा दिया था। शक्ति कपूर का जो स्टिंग ऑपरेशन हुआ था उसमें एक महिला रिपोर्टर मॉडल बनकर उनके पास गई थीं। कथित तौर पर एक्टर वे अंडरकवर रिपोर्टर से कहा था- 'मैं तुम्हें प्यार करना चाहता हूं। तुम्हें किस करना चाहता हूं।' इस मामले के बाद फिल्म और टेलीविजन प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने शक्ति कपूर पर किसी भी फिल्म या टीवी शो में काम करने पर बैन लगा दिया था। हालांकि, एक हफ्ते बाद ये बैन हटा लिया गया था। कास्टिंग काउच वाले वीडियो पर शक्ति कपूर ने भी सफाई दी थी। उन्होंने अपने बचाव में दावा किया था कि अंडरकवर रिपोर्टर ने ही उन्हें इस तरह की बातों के लिए बहकाया था। उन्होंने कहा था- 'जिस तरह से चैनल ने मुझे फंसाया, उससे मैं दुखी हूं।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम घोषित; साई-अर्शदीप नए चेहरे, करुण नायर की वापसी

एजेंसी ● मुंबई

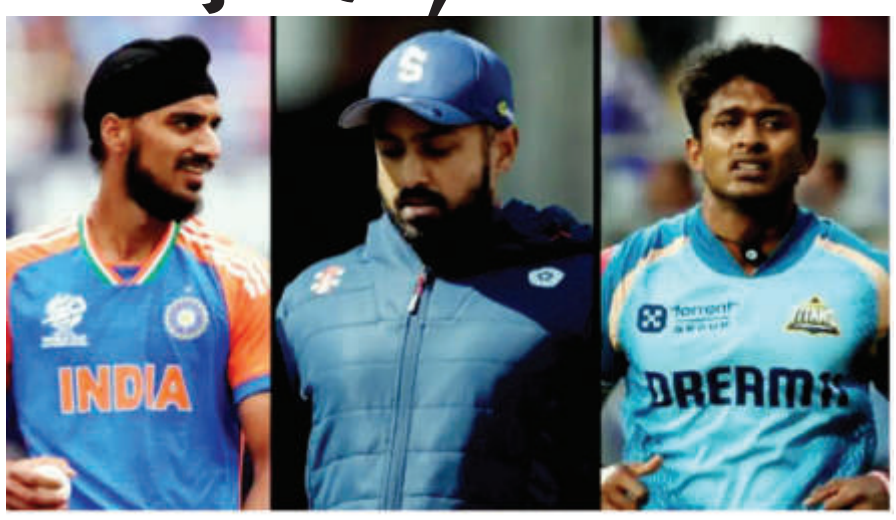

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का एलान हो गया है। शुभमन गिल को नया टेस्ट कप्तान चुना गया है। वहीं, ऋषभ पंत टेस्ट में नए उपकप्तान हैं। गिल भारत के 37वें टेस्ट कप्तान हैं। इसके अलावा करुण नायर की आठ साल बाद भारतीय टीम में वापसी हुई है। शार्दुल ठाकुर भी भारतीय टीम में वापसी कर रहे हैं। इसके अलावा भारतीय-ए टीम के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन को भी मौका दिया गया है। साई सुदर्शन और अर्शदीप सिंह टेस्ट टीम में दो नए चेहरे हैं। भारतीय टीम में छह मुख्य बल्लेबाज, दो विकेटकीपर बल्लेबाज, दो स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर, दो पेस बॉलिंग ऑलराउंडर और पांच मुख्य तेज गेंदबाज और एक विशेषज्ञ स्पिनर है।भारतीय टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। इस सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा।

वहीं, दूसरा टेस्ट दो जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा। तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा, जबकि चौथा टेस्ट मैनचेस्टर में 23 जुलाई से खेला जाएगा। पांचवां टेस्ट 31 जुलाई से लंदन के ओवल में खेला जाएगा। इस सीरीज के साथ ही भारत के नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र (2025-27) की शुरूआत भी हो जाएगी। रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद से ही गिल को लेकर चर्चा चल रही थी। हालांकि, कई पूर्व क्रिकेटर्स ने जसप्रीत बुमराह का भी पक्ष लिया था। टीम का एलान करते समय अगरकर ने कहा, 'बुमराह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहले उपकप्तान और फिर कप्तान भी रहे, लेकिन कप्तानी करते वक्त उन पर अतिरिक्त दबाव रहता है।

वह हमारे लिए एक खिलाड़ी के तौर पर ज्यादा जरूरी हैं। हम चाहते हैं कि वह फिट रहें और जीत में योगदान दें। कप्तानी करते हुए खुद की गेंदबाजी के अलावा 15-16 लोगों को मैनेज करना होता है और हम उन पर दबाव नहीं डालना चाहते थे।' वहीं, केएल राहुल को कप्तान नहीं बनाने को लेकर अगरकर ने कहा कि वह पहले कप्तान रह चुके हैं और हमारे रडार में उनका नाम नहीं था। हम एक ऐसे कप्तान को चाहते थे जो आगे कुछ समय तक भारतीय टीम का नेतृत्व कर सके।

इतना ही ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई टीम इंडिया से कुछ खिलाड़ियों को बाहर भी किया गया है। इनमें सरफराज खान, देवदत्त पडिक्कल, हर्षित राणा शामिल हैं।

ये तीनों ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शामिल थे। पडिक्कल इस वक्त चोटिल चल रहे हैं और आईपीएल से भी बाहर हो चुके हैं। आरसीबी ने उनकी जगह मयंक अग्रवाल को शामिल किया है। सरफराज और हर्षित को इंग्लैंड दौरे पर जा रही ए टीम में जगह दी गई है, लेकिन मुख्य टीम में वे जगह बनाने में नाकाम रहे। इनकी जगह जिन पांच नए खिलाड़ियों ने ली, उनमें साई सुदर्शन, करुण नायर, शार्दुल ठाकुर, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव शामिल हैं। आपको बता दें कि ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गए रोहित शर्मा और विराट कोहली टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं। ऐसे में दो और खिलाड़ी भारतीय टेस्ट में जगह बनाने में कामयाब रहे।शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर/उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नीतीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव।

टेस्ट टीम में जगह नहीं बना सके शमी

एजेंसी ● नई दिल्ली

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में जगह दी गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड दौरे के लिए शनिवार को 18 सदस्यीय भारतीय टीम का एलान किया। भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इससे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नए चक्र की शुरूआत भी होगी।एक तरफ जहां अर्शदीप को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया, वहीं अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी इंग्लैंड दौरे के लिए टेस्ट टीम में जगह नहीं बना सके। शमी ने 23 महीने से भारत के लिए टेस्ट नहीं खेला है और उन्होंने आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 मुकाबले में भारतीय टीम के टेस्ट मैच खेला था। चोट के कारण 14 महीने तक मैदान से बाहर रहने के बाद शमी ने इस साल जनवरी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी। शमी आईपीएल 2025 में खराब फॉर्म में रहे और उन्होंने नौ मैचों में महज छह विकेट लिए। शमी आईपीएल के मौजूदा सीजन में लय में नजर नहीं आए जिससे उनके टेस्ट के लिए तैयार रहने पर सवाल खड़े हो गए। यही कारण रहा कि इस अनुभवी तेज गेंदबाज को टेस्ट टीम में जगह नहीं मिल सकी। दूसरी तरफ, अर्शदीप को टी20 में नई गेंद से स्विंग करा पाने की क्षमता का फायदा मिला जिससे वह इंग्लिश परिस्थितियों में फायदेमंद रह सकते हैं। अर्शदीप ने 21 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं और 30.37 के औसत से 66 विकेट लिए हैं जिसमें दो बार फाइव विकेट हॉल शामिल हैं। मौजूदा आईपीएल सीजन में अर्शदीप 11 मैचों में 16 विकेट ले चुके हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद ने आरसीबी को 42 रनों से हराया, सॉल्ट की कोशिश गई बेकार

एजेंसी ● लखनऊ

सनराइजर्स हैदराबाद ने आरसीबी को 42 रनों से हराकर बड़ी जीत दर्ज की है। सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ईशान किशन की दमदार पारी से 20 ओवर में छह विकेट पर 231 रन बनाए। जवाब में फिल सॉल्ट और विराट कोहली ने टीम को शानदार शुरूआत दिलाई, लेकिन आरसीबी की टीम 19.5 ओवर में 189 रन पर ऑलआउट हो गई। आरसीबी पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर चुकी है, लेकिन इस हार से उसके शीर्ष दो में जगह मजबूत करने की संभावनाओं को झटका लगा है।

कोहली और सॉल्ट ने पहले विकेट के लिए 80 रनों की साझेदारी कर टीम को अच्छी शुरूआत दिलाई। कोहली के आउट होने के बाद सॉल्ट ने मोर्चा संभाला और अर्धशतक भी जड़ा। सॉल्ट के आउट होने के बाद आरसीबी की पारी लड़खड़ा गई और उसने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाने शुरू कर दिए। पैट कमिंस की अगुआई में गेंदबाजों ने दमदार वापसी की। इसमें सबसे बड़ा योगदान ईशान मलिंगा का रहा जिन्होंने रोमारियो शेफर्ड और टिम डेविड जैसे विस्फोटक बल्लेबाजों के विकेट लिए।

आरसीबी के लिए सॉल्ट 32 गेंदों पर चार चौकों और पांच छक्कों की मदद से 62 रन बनाकर आउट हुए, जबकि कोहली ने 25 गेंदों पर सात चौकों और एक छक्के की मदद से 43 रन बनाए। इन दोनों बल्लेबाजों के अलावा अन्य कोई बड़ी पारी नहीं खेल सका। रजत पाटीदार ने 18 और जितेश शर्मा ने 24 रन का योगदान दिया। आरसीबी के निचले क्रम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा और उसके चार बल्लेबाज दहाई अंक तक भी नहीं पहुंच सके, जबकि दो खाता भी नहीं खोल पाए। सनराइजर्स के लिए कमिंस ने तीन विकेट झटके, जबकि मलिंगा ने दो विकेट लिए। इन दोनों के अलावा जयदेव उनादकट, हर्षल पटेल, हर्ष दुबे और नीतीश कुमार रेड्डी को एक-एक विकेट मिला। ईशान मलिंगा ने टिम डेविड को आउट कर सनराइजर्स हैदराबाद को सातवीं सफलता दिलाई। डेविड एक रन बनाकर आउट हुए। अब क्रीज पर क्रुणाल पांड्या के साथ भुवनेश्वर कुमार मौजूद हैं। आरसीबी को जितेश शर्मा के रूप में छठा झटका लगा है। जितेश 15 गेंदों पर 24 रन बनाकर आउट हुए। जितेश को जयदेव उनादकट ने अपना शिकार बनाया। ईशान मलिंगा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए रोमारियो शेफर्ड को अपनी ही गेंद पर कैच लेकर आउट किया। शेफर्ड खाता खोले बिना आउट हुए। आरसीबी ने 16 ओवर की समाप्ति तक पांच विकेट पर 174 रन बनाए हैं। आरसीबी को रजत पाटीदार के रूप में चौथा झटका लगा है। पाटीदार रन आउट होकर पवेलियन लौटे। उन्होंने 16 गेंदों पर एक चौके की मदद से 18 रन बनाए। सनराइजर्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी ने 165 रनों का आंकड़ा पार कर लिया है। आरसीबी ने 15 ओवर की समाप्ति तक तीन विकेट पर 167 रन बनाए हैं। उसे अभी जीत के लिए 30 गेंदों पर 65 रन बनाने हैं। फिलहाल क्रीज पर जितेश शर्मा और रजत पाटीदार मौजूद हैं।पैट कमिंस ने फिल सॉल्ट को आउट कर आरसीबी को तीसरा झटका दिया। सॉल्ट 32 गेंदों पर चार चौकों और पांच छक्कों की मदद से 62 रन बनाकर आउट हुए। आरसीबी को मयंक अग्रवाल के रूप में दूसरा झटका लगा है। मयंक 11 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें नीतीश रेड्डी ने अपना शिकार बनाया। अब क्रीज पर इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर नियमित कप्तान रजत पाटीदार उतरे हैं। हालांकि, वह इस मैच में कप्तानी नहीं कर रहे हैं। आरसीबी के सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट ने 27 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। सॉल्ट का इस सीजन यह तीसरा पचासा है और दिलचस्प बात यह है कि तीनों अर्धशतक लक्ष्य का पीछा करते हुए बनाए हैं। सनराइजर्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी ने अच्छी शुरूआत की है और स्कोर 100 के पार पहुंच गया है। आरसीबी ने नौ ओवर की समाप्ति के बाद एक विकेट पर 108 रन बना लिए हैं। कोहली के आउट होने के बाद सॉल्ट ने मोर्चा संभाले रखा है।

बुरे फंसे रजत; एसआरएच के खिलाफ कप्तानी भी नहीं की फिर भी लगा 24 लाख का जुमार्ना

एजेंसी ● लखनऊ

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हार के बाद एक और झटका लगा है। धीमी ओवर गति के लिए टीम के कप्तान रजत पाटीदार पर 24 लाख रुपये का जुमार्ना लगा है। इसके अलावा सनराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस पर भी स्लो ओवर रेट के लिए जुमार्ना लगा है। कमिंस पर 12 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया क्योंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के तहत उनकी टीम का इस सत्र में पहला अपराध था, जबकि पाटीदार पर दूसरी बार अपराध करने वाली आरसीबी की प्लेइंग-11 के सदस्य होने के कारण 24 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया।आईपीएल ने एक बयान में कहा, 'चूंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के तहत न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित आरसीबी की टीम का सीजन का दूसरा अपराध था, इसलिए पाटीदार पर 24 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया। इम्पैक्ट प्लेयर सहित प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से या तो छह लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, जुमार्ना लगाया गया।' चौंकाने वाली बात यह है कि आरसीबी की टीम पहले गेंदबाजी करने उतरी थी और रजत नहीं बल्कि जितेश शर्मा टीम की कप्तानी कर रहे थे। रजत बतौर इम्पैक्ट प्लेयर बल्लेबाजी के लिए मैदान पर आए, लेकिन उन पर ही 24 लाख रुपये का जुमार्ना ठोका गया। नियमित कप्तान होने की वजह से ऐसा हुआ है।

आईपीएल के बयान में यह भी कहा गया, 'चूंकि यह आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का इस सत्र का पहला अपराध था, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, इसलिए कमिंस पर 12 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया।' प्लेऑफ में जगह पक्की कर चुकी आरसीबी को एसआरएच के खिलाफ 42 रन से हार का सामना करना पड़ा। अब इस टीम का आखिरी मुकाबला 27 मई को लखनऊ सुपर जाएंट्स से है।

मैच में क्या हुआ?

एसआरएच ने छह विकेट पर 231 रन बनाने बाद आरसीबी की पारी को 19.5 ओवर में 189 रन पर समेट दिया। इस हार से आरसीबी के लिए तालिका में शीर्ष दो में जगह बनाने की राह कठिन हो गई है। ईशान किशन ने 48 गेंद पर 94 रन की नाबाद पारी में सात चौके और पांच छक्के लगाए। उन्होंने प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

इटली के नेपल्स में डिएगो माराडोना स्टेडियम में नेपोली और कैग्लियारी के बीच सेरी ए फुटबॉल मैच के अंत में इतालवी लीग फुटबॉल खिताब जीतने के बाद ट्रॉफी पकड़े हुए नेपोली के खिलाड़ी।

एक सीजन में सबसे ज्यादा बार 200+ के स्कोर का रिकॉर्ड टूटा; अभिषेक ने तोड़ा कार का शीशा

लखनऊ। आईपीएल 2025 में शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 42 रन से हरा दिया। इस हार से आरसीबी के शीर्ष दो में खत्म करने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। हालांकि, इस मैच में कई रिकॉर्ड्स बने। आईपीएल 2025 में सबसे ज्यादा बार 200+ रन के स्कोर का रिकॉर्ड बन चुका है। इस सीजन अब तक 42 बार टीमों ने एक पारी में 200+ रन बनाए। सनराइजर्स ने शुक्रवार को 20 ओवर में छह विकेट पर 231 रन बनाकर पिछले रिकॉर्ड को तोड़ा। इससे पहले आईपीएल 2024 में एक सीजन में सबसे ज्यादा बार 200+ के स्कोर बने थे। तब कुल मिलाकर 41 बार टीमों ने इस स्कोर को छुआ था।

वहीं, आईपीएल 2025 में 42 बार ऐसा हो चुका है और अभी भी नौ मैच बाकी हैं। मैच की बात करें तो सनराइजर्स ने छह विकेट पर 231 रन बनाने बाद आरसीबी की पारी को 19.5 ओवर में 189 रन पर समेट दिया। इस हार से आरसीबी के लिए तालिका में शीर्ष दो में जगह बनाने की राह कठिन हो गई है। प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी एसआरएच की यह 13 मैचों में पांचवीं जीत है, जबकि आरसीबी इतने ही मैचों में आठ जीत और चार हार से 17 अंक लेकर अब तीसरे स्थान पर है।आईपीएल 2024 में 41 बार 200 या इससे ज्यादा के स्कोर बने थे। वहीं, आईपीएल 2023 में 74 मैचों की 147 पारियों में 37 बार 200 या इससे ज्यादा के स्कोर बने थे। साल 2022 में 74 मैचों की 148 पारियों में 18 बार 200 या इससे ज्यादा के स्कोर बने थे। 2023 में ही इम्पैक्ट प्लेयर का नियम आईपीएल में लागू हुआ था और उसके बाद से 200+ के स्कोर में गजब की बढ़ोतरी हुई है। जहां 2022 में 200+ का स्कोर बनने का दर 12.16 प्रतिशत था, वहीं 2023 में यह बढ़कर 25.17 प्रतिशत हो गया था। साल 2024 में यह बढ़कर 27.70 प्रतिशत हो चुका था।सनराइजर्स और आरसीबी के बीच मुकाबला एक तटस्थ स्थान यानी लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेला गया।

एसआरएच के 231 रन लखनऊ में टी20 में पहली पारी में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले साल 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ छह विकेट गंवाकर 235 रन बनाए थे। सनराइजर्स के ईशान किशन ने टीम को 231 रन तक पहुंचाने में काफी मदद की। उन्होंने 48 गेंद की अपनी नाबाद 94 रन की पारी में सात चौके और पांच छक्के लगाए। ईशान ने पेसर्स के खिलाफ 26 गेंद में 55 रन और स्पिन के खिलाफ 22 गेंद में 39 रन बनाए।अभिषेक शर्मा ने हैदराबाद की पारी का पहला छक्का दूसरे ओवर में लगा दिया। भुवनेश्वर कुमार के ओवर की पांचवीं बॉल पर अभिषेक ने पुल शॉट खेला। बॉल डीप मिडविकेट के ऊपर से मैदान पर खड़ी कार से जा टकराई, जिससे कार का कांच टूट गया।

करुण की 7 साल तो शार्दुल की 16 महीने बाद वापसी; अब जडेजा के साथ अश्विन नहीं, बल्कि कुलदीप दिखेंगे

एजेंसी ● मुंबई

करुण नायर की वापसी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। इंग्लैंड में भारतीय टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन निश्चित रूप से इस दाएं हाथ के बल्लेबाज को लंबे समय तक टीम इंडिया में बनाए रखेगी। वहीं, शार्दुल को अगर मौका मिलता है तो वह भी अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे।करुण नायर को इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। उनकी भारतीय टीम में सात साल बाद वापसी हुई है। इसके अलावा ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को भी घरेलू टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। उनकी 16 महीने बाद भारतीय टेस्ट टीम में वापसी हुई है।

वहीं, टेस्ट में अब भारत को एक नई स्पिन जोड़ी देखने को मिलेगी। अब मैदान पर रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा नहीं, बल्कि जडेजा के साथ कुलदीप यादव खेलते दिखेंगे। भारतीय चयन समिति ने शनिवार को भारतीय टीम का एलान किया। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने 18 सदस्यीय टीम की घोषणा की। इसमें छह मुख्य बल्लेबाज, दो विकेटकीपर बल्लेबाज, दो स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर, दो पेस बॉलिंग ऑलराउंडर और पांच मुख्य तेज गेंदबाज और एक विशेषज्ञ स्पिनर शामिल हैं। हाल फिलहाल में घरेलू क्रिकेट में कई बेहतरीन पारियां खेलने वाले नायर के लिए दो-दो खुशखबरी सामने आई है। उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय-ए टीम के बाद सीनियर भारतीय टीम में भी चुना गया है। उनकी वापसी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। साल 2022 में क्रिकेट में लगातार नाकामी के बाद उन्होंने एक भावुक कर देने वाला पोस्ट लिखा था। नायर ने एक्स पर लिखा था, 'प्रिय क्रिकेट, मुझे एक और मौका दें।'

अब उन्हें एक और मौका मिल गया है और इस मौके को वह जोरदार तरीके से भुनाना चाहेंगे।' नायर ने 2016 में भारत के लिए डेब्यू किया था, लेकिन टेस्ट में तिहरा शतक जड़ने के बावजूद टीम के लिए लंबे समय तक खेलने में नाकाम रहे। एक बार जब वह टीम से बाहर हो गए, तो वह कभी नहीं लौटे। 2022 में कर्नाटक की टीम से बाहर किए जाने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया 'प्रिय क्रिकेट' वाला पोस्ट किया था।इंग्लैंड में भारतीय टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन निश्चित रूप से इस दाएं हाथ के बल्लेबाज को लंबे समय तक टीम इंडिया में बनाए रखेगी। खासकर ऐसे समय में जब विराट कोहली और रोहित शर्मा ने प्रारूप छोड़ दिया है, करुण अच्छी पारी खेलकर इनमें से एक की जगह पर कब्जा जमाने की कोशिश करेंगे।

कई वर्षों तक घरेलू क्रिकेट में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करने के बाद अब वह विदर्भ का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। 2024-25 विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने आठ पारियों में 779 रन बनाए, जिसमें पांच शतक शामिल हैं। इनमें से चार बैक-टू-बैक शतक रहे। वह लगभग अकेले दम पर ही विदर्भ को फाइनल में ले गए थे। यही नहीं उन्होंने रणजी ट्रॉफी में भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने नौ मैचों में 863 रन बनाए, जिसमें केरल के खिलाफ फाइनल में एक महत्वपूर्ण शतक और एक अर्धशतक शामिल था। विदर्भ को खिताब जीतने में उनकी भूमिका अहम रही।करुण की वापसी क्रिकेट में सबसे जबरदस्त वापसी में से एक है। भारत के लिए छह टेस्ट मैचों में उन्होंने 62.33 की औसत से 374 रन बनाए थे। इसमें एक तिहरा शतक शामिल है। इस दौरान सात पारियों में उनका स्कोर- 4, 13, 303*, 26, 0, 23 और 5 रन का रहा है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में करुण ने 49.16 की शानदार औसत से 8211 रन बनाए हैं। इनमें 23 शतक और 36 अर्धशतक शामिल हैं। तिहरे शतक के बावजूद उन्हें दरकिनार कर दिया गया। वह 2018 इंग्लैंड दौरे की टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें उस सीरीज में कभी खेलने का मौका नहीं मिला। वह पिछली बार फरवरी 2017 में भारत के लिए खेले थे। भारत का तब टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से धर्मशाला में सामना हुआ था। यानी अगर करुण को खेलने का मौका मिलता है तो यह आठ साल बाद होगा जब वह लाल गेंद के प्रारूप में भारत के लिए कोई मुकाबला खेलेंगे, लेकिन वापसी उनकी सात साल बाद हुई है।

इसके अलावा वह दो वनडे भी खेल चुके हैं। 2016 में उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ हरारे में दो मैच खेले थे। इसमें उन्होंने कुल मिलाकर 46 रन बनाए थे। करुण को इंग्लैंड सीरीज से पहले तैयारी का अच्छा मौका भी मिलेगा। वह इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैचों के लिए भारतीय-ए टीम का हिस्सा हैं, जिसकी शुरूआत 30 मई से कैंटबरी में होगी। भारत-ए टीम 13 से 16 जून तक बेकेनहैम में सीनियर टीम के साथ एक 'इंट्रा-स्क्वॉड' मैच भी खेलेगी।

दैनिक अदित्य भारत
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
सदैव सत्य के साथ...

लंबे अर्से बाद मिली उड़ान की इजाजत, एयरपोर्ट की सफाई शुरू...

पनामा सिटी। पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के फिर से चुनाव को मान्यता देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद से दोनों देशों के बीच व्यापारिक उड़ानों पर रोक लगा दी गई थी। लेकिन अब इन उड़ानों को फिर से शुरू करने की इजाजत मिल गई है। इसके बाद टोकुमेन हवाई अड्डे पर छत की सफाई करते कर्मचारी।

शॉर्ट न्यूज

राहुल गांधी ने अब विदेश मंत्री जयशंकर से पूछे तीन सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार विदेश मंत्री एस जयशंकर से तीन सवाल पूछे। एक दिन पहले राहुल ने पीएम मोदी से भी ऑपरेशन सिंदूर और भारत-पाकिस्तान सीजफायर को लेकर 3 सवाल पूछे थे। पहले पीए मोदी से भी पूछ चुके हैं। विदेश मंत्री जयशंकर डच ब्रॉडकास्टर NOS को इंटरव्यू दिया था। इसमें जयशंकर ने पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव पर सवालों के जवाब दिए थे। जयशंकर की क्लिप पहले कांग्रेस ने अपने X हैंडल पर शेयर की थी, राहुल ने इसे री-पोस्ट किया। भाजपा ने शुक्रवार को कहा कि राहुल गांधी सेना की वीरता को कमतर आंकना बंद करें। ऐसे सवाल पूछना बंद करें, जो नहीं पूछे जाने चाहिए। वे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालते हैं। उनकी टिप्पणी को बचकाना व्यवहार कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राहुल गांधी को निशान-ए-पाकिस्तान बताया।

दाऊद इब्राहिम करता था बॉलीवुड को फंडिंग

मुंबई। 90 दशक के दौर में अंडरवर्ल्ड के बॉलीवुड से कनेक्शन की खबरें हमेशा आती रही हैं। हाल ही में, अनु अग्रवाल ने भी बड़ा खुलासा कर दिया है। आशिकी फेम एक्ट्रेस ने बताया है कि कैसे अंडरवर्ल्ड डॉन का बॉलीवुड से कनेक्शन रहा। अनु अग्रवाल ने एक हालिया इंटरव्यू में खुलासा किया अंडरवर्ल्ड से बॉलीवुड को फंडिंग आती थी। वे फिल्मों में इन्वेस्ट करते थे। यह गुपचुप तरीके से किया जाता था। अग्रवाल ने कहा 'यह एक गंदा बिजनेस था। मुझे नहीं पता कि आज यह कितना गंदा है। उस समय यह सब अंडर-द-टेबल डील (गुपचुप) थी। इस पर दाऊद इब्राहिम जैसे लोगों का राज था। फिल्म इंडस्ट्री में आने वाला सारा पैसा अंडरवर्ल्ड से आता था। यह पूरी तरह से अलग सेनेरियो था। इंटरव्यू में अनु अग्रवाल ने बताया आशिकी हिट होने के बाद स्टारडम मिला था। उस समय अकेले घूमना और रहना बहुत मुश्किल था। हमें पुलिस सुरक्षा मिली हुई थी।

कैदियों की अदला-बदली के बीच किया हमला

रूसी हमलों से दहला कीव ड्रोन अटैक ने मचाई तबाही

कीव ● एजेंसी

यूक्रेन की राजधानी कीव आज तड़के एक भीषण रूसी ड्रोन और मिसाइल हमले की चपेट में आ गई। पूरे शहर में धमाकों और मशीनगनों की आवाजें गूंजती रहीं, जिससे हजारों लोगों को सबवे स्टेशनों में शरण लेनी पड़ी। यह हमला उस समय हुआ जब कुछ ही घंटे पहले रूस और यूक्रेन के बीच बड़ी कैदी अदला-बदली शुरू हुई थी। यह अदला-बदली इस्तांबुल में हुई एक बैठक में तय समझौते का पहला चरण था, हालांकि युद्धविराम को लेकर एक बार फिर कोशिशें विफल रही हैं।

तबाही

कीव की सैन्य प्रशासन के कार्यवाहक प्रमुख तैमूर त्काचेंको ने बताया कि रूसी हमले में कम से कम चार जिलों में मिसाइलों और ड्रोन के टुकड़े गिरे। सोलोमिंस्की जिले में दो जगह आग लग गई और कम से कम छह लोगों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। शहर के मेयर विताली क्लिचको ने हमले से पहले ही चेताया था कि रूस की ओर से 20 से अधिक स्ट्राइक ड्रोन कीव की ओर बढ़ रहे हैं। बाद में उन्होंने बताया कि ओबोलोन जिले में एक रिहायशी इमारत और शॉपिंग मॉल पर ड्रोन के टुकड़े गिरे हैं। राहत और बचाव टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं।

1,000 कैदियों की अदला-बदली

शुक्रवार को शुरू हुई कैदी अदला-बदली के पहले चरण में यूक्रेन ने 390 अपने नागरिकों और सैनिकों को वापस लाया। राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि सप्ताहांत तक यह अब तक का सबसे बड़ा कैदी आदान-प्रदान होगा। रूस के रक्षा मंत्रालय ने भी पुष्टि की कि उसे भी उतने ही कैदी यूक्रेन से वापस मिले हैं। यह अदला-बदली बेलारूस की सीमा पर हुई, जहां रूस के कैदियों को इलाज के लिए ले जाया गया। बेलारूस में जब रूसी सैनिक अस्पताल पहुंचे, तो वहां उनके परिजन हाथों में तस्वीरें लिए अपने अपनों को पहचानने की कोशिश कर रहे थे।

युद्ध जारी, शांति अब भी दूर

हालांकि कैदियों की अदला-बदली को तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने विश्वास बहाली की पहल बताया, लेकिन क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने साफ किया कि अगली शांति वार्ता की जगह को लेकर कोई सहमति नहीं बनी है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि जैसे ही कैदी अदला-बदली पूरी होगी, रूस यूक्रेन को एक मसौदा शांति प्रस्ताव सौंपेगा, जिसमें स्थायी, दीर्घकालिक और समग्र समझौते की शर्तें होंगी।

नाथ कोरिया का वॉरशिप पलटा, इंजीयरों को होगी फांसी

नम्पो ● एजेंसी

नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की निगरानी में लॉन्च होने जा रहा देश का नया 5000 टन वजनी वॉरशिप अचानक पलट गया। किम मौके पर मौजूद थे और अपनी आंखों के सामने युद्धपोत को गिरते देख भड़क उठे। सरकारी मीडिया एजेंसी केसीएनए ने रिपोर्ट किया किम ने इस विफलता को एक ऐसा गंभीर हादसा बताया जो बर्दाश्त किया जा सकता है। यह एक शुद्ध लापरवाही, गैर-जिम्मेदाराना और अवैज्ञानिक रवैये का नतीजा है जिसे आपराधिक कृत्य माना जाना चाहिए। सैटेलाइट इमेजरी से पता चला यह 5,000 टन क्लास डेस्ट्रॉयर अपने लॉन्चिंग के दौरान असंतुलित हो गया और पानी में एक तरफ झुकते हुए उसके नीचे के हिस्से में बड़ा डैमेज हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रांसपोर्ट क्रैडल पहले पिछले हिस्से से खिसक गया और अटकने के बाद पूरे जहाज को पलटा दिया। अब यह जहाज पानी में एक ओर झुका हुआ पड़ा है और ऊपर से उसे नीले कवर से ढंका गया है। किम जोंग उन ने अप्रैल के अंत में देश के पहले नेवी डेस्ट्रॉयर के लिए नम्पो में भव्य समारोह में हिस्सा लिया था । किम जोंग उन ने कहा है इस अक्षम्य दुर्घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को मौत की सजा दी जा सकती है।

भारत ने बढ़ाया मदद का हाथ

श्रीलंका में अब नमक के लिए हाहाकार

कोलंबो ● एजेंसी

समंदर से चारों ओर घिरे पड़ोसी देश श्रीलंका इन दिनों एक नई मुसीबत से दो-चार हो रहा है। वहां नमक का संकट गहरा गया है। पुट्टलम जिले के नमक उत्पादकों के मुताबिक पिछले सप्ताह भारी बारिश की वजह से एक तो नमक का उत्पादन ठप पड़ गया है, दूसरे उत्पादित लगभग 15 हजार मीट्रिक टन नमक के ढेर भी बारिश में बह गए हैं। इससे इस द्वीपीय देश में जरूरी मात्रा भर भी नमक का उत्पादन नहीं हो पा रहा है और लोग नमक जैसी जरूरी चीजों के लिए परेशान हैं। नमक की भारी किल्लत की वजह से वहां इसके दाम में कई गुना तक इजाफा हो गया है। नमक की 50 किलो की बोरी के दाम में पांच गुना बढ़ोतरी हो गई है।

हाहाकार

145 रुपए किलो हुई कीमत- मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रीलंका में फिलहाल नमक 125 से 145 रुपये प्रति किलो मिल रहा है। वहां देश की जरूरत के हिसाब से सिर्फ 23 फीसदी नमक ही बन पा रहा है। इस बीच, भारत ने पड़ोसी देश की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। भारत ने 3050 मीट्रिक टन नमक की खेप श्रीलंका भेजी है लेकिन भारी बारिश की वजह से इस खेप के पहुंचने में देरी हो गई है। इनमें से 2800 मीट्रिक टन नेशनल साल्ट कंपनी ने आयात की है जबकि 250 मीट्रिक टन नमक प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों ने भेजी है। बहरहाल उम्मीद की जा रही है कि अगले हफ्ते तक वहां स्थिति नियंत्रण में आ जाएगी।

आयात में देरी से बिगड़े हालात

नमक उत्पादकों के एसोसिएशन का कहना है कि सरकार द्वारा 30,000 मीट्रिक टन गैर-आयोडीन नमक के आयात में देरी की जा रही है, जिससे स्थिति और बिगड़ गयी है। श्रीलंकाई लोगों ने सोशल मीडिया पर खाली पड़े बाजार की अलमारियों की तस्वीरें साझा की हैं, जबकि अन्य लोगों ने अफसोस जताया कि उन्हें नमक की तलाश करनी पड़ रही है।

2022 से ही आर्थिक बदहाली – आर्थिक बदहाली से जूझ रहे श्रीलंका में नमक की कमी एक नई समस्या बनकर आई है। हिन्द महासागर में स्थित दक्षिण एशियाई देश अभी भी आर्थिक संकट से उबर रहा है। 2022 में विदेशी मुद्रा भंडार की कमी होने से श्रीलंका तेल और कोयले का आयात करने में असमर्थ हो गया था।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)